



# आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष-3, अंक-12 दिसम्बर, 2024

## नई तकनीक : बदलते मानव जीवन के लिए एक नई दिशा

नई तकनीक : बदलते मानव जीवन के लिए एक नई दिशा वर्तमान में विज्ञान मानव जीवन का पर्याय बन चुका है। इसने मानव विकास को बहुआयामी दिशा प्रदान की है यह न केवल मानव कार्यों को सुगम और सरल बनाया है बल्कि इसने पारिवारिक, सामाजिक राष्ट्रीय क्रियाकलापों में आशातीत परिवर्तन कर दिया है। तकनीकी विज्ञान के सहारे आदि से अनन्त तक की यात्रा को चरितार्थ किया है। संस्कृत के इस संयुक्त वाक्य से विज्ञान की महत्ता को सरलता से समझा जा सकता है। विद्या वितर्को विज्ञान, स्मृति: तत्परता क्रिया। यस्यैते षडगुणास्तस्य, नासाध्यमतिवर्तते ॥ अर्थात् विद्या तर्क शक्ति, विज्ञान, स्मृति शक्ति, तत्परता और कार्यशीलता जिसके पास हैं, उसके लिए कुछ भी असम्भव नहीं हैं। आज हम 2024 में कुछ तकनीकी विज्ञान की चर्चा करेंगे जो पूरे विश्व को एक नई उर्जा प्रदान की है। तकनीक आधुनिक युग का वह स्तंभ बन चुकी है, जिस पर पूरी दुनिया का विकास आधारित है। हर दिन नई-नई तकनीकों का आविष्कार हो रहा है, जो न केवल हमारे जीवन को सरल बना रही हैं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और वैज्ञानिक दृष्टि से नई संभावनाओं के द्वार भी खोल रही हैं। 2024 में हुई प्रमुख तकनीकी प्रगति और उनके प्रभावों को देखते हुए, यह कहना गलत नहीं होगा कि भविष्य अब और भी रोमांचक हो गया है। महत्वपूर्ण तकनीकों की यदि चर्चा करें तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और मशीन लर्निंग (ML) 2024 में एक ज्वलंत विषय रहा। एआई और एमएल के क्षेत्र में कई नई तकनीकों का विकास हुआ है। अब एआई न केवल डेटा विश्लेषण में सहायता कर रहा है, बल्कि चिकित्सा क्षेत्र में कैंसर जैसी बीमारियों के प्रारंभिक निदान में भी मददगार साबित हो रहा है। वर्चुअल असिस्टेंट्स में आर्थिक मानवीय क्षमता देखी जा रही है। जीन, एडिटिंग तकनीक CRISPR तकनीक के जरिए 2024 में कई जटिल बीमारियों का उपचार संभव हुआ। शोधकर्ताओं ने जीन एडिटिंग का उपयोग करके आनुवंशिक रोगों का इलाज करने के लिए बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की हैं। क्वांटम कंप्यूटर अब प्रयोगशालाओं से निकलकर वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने में इस्तेमाल हो रहे हैं। 2024 से यह तकनीक साइबर सुरक्षा, जलवायु मॉडलिंग और दवा निर्माण जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। ग्रीन टेक्नोलॉजी यदि की बात करें तो सौर ऊर्जा को स्टोर करने के लिए नई बैटरी तकनीकों का विकास और कार्बन कैप्चर तकनीकों में सुधार ने पर्यावरण संरक्षण को एक नई दिशा दी है। मेटावर्स और आरवीआर अब केवल एक कल्पना नहीं रह गया है। इसमें शिक्षा, चिकित्सा और वाणिज्य के नए आयाम जोड़े जा रहे हैं। 2024 में, आरवीआर तकनीकों ने वर्चुअल रियलिटी को और भी वास्तविक बना दिया है। इन नई तकनीकों का प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों में अद्भुत प्रभाव छोड़ा है। जैसे चिकित्सा क्षेत्र में नई तकनीकें बीमारियों के निदान और उपचार को अधिक सटीक और सुलभ बना रही हैं। रोबोटिक सर्जरी, टेलीमेडिसिन और डिजिटल हेल्थ प्लेटफॉर्म ने चिकित्सा सेवाओं को हर किसी के लिए सुलभ बना दिया है। आर्थिक विकास स्वचालन और एआई के उपयोग से उत्पादन लागत में कमी आई है, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला है। हालांकि, इसने रोजगार में अस्थिरता भी पैदा की है, जिससे कौशल विकास की आवश्यकता बढ़ गई है। एड-टेक प्लेटफॉर्म, एआई ट्यूटर और वर्चुअल क्लासरूम ने शिक्षा को किफायती और व्यापक बनाया है। जिससे अब विद्यार्थी मात्र पुस्तक और शिक्षक तक ही सीमित नहीं हैं। यह शिक्षा में एक नई क्रांति का जन्म कहा जा सकता है। एआई के प्रयोग शिक्षा क्षेत्र व्यापक होने वाले हैं। ग्रीन टेक्नोलॉजी और कार्बन न्यूट्रल एनर्जी स्रोतों ने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में मदद की है। जिससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिली है। ये नए तकनीकी आविष्कार कुछ चुनौतियों का भी सामना कर रहे हैं जैसे एआई और जीन एडिटिंग जैसी तकनीकों के दुरुपयोग की संभावनाएँ बढ़ गई हैं। इसके लिए स्पष्ट नैतिक दिशा-निर्देशों और नियामक प्रबंधन की आवश्यकता। तकनीक के तेजी से विकास के बावजूद, समाज के हर वर्ग तक इसे पहुँचाना चुनौतीपूर्ण है। नई तकनीकों के आविष्कार ने मानव जीवन को अभूतपूर्व गति दी है। यह स्पष्ट है कि तकनीक के बिना भविष्य की कल्पना करना अब असंभव है। लेकिन इसके साथ ही, यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम इन तकनीकों का उपयोग मानवता के कल्याण के लिए करें और उनके संभावित खतरों से निपटने के लिए भी सतर्क रहें। तकनीक वह शक्ति है जो सही दिशा में इस्तेमाल होने पर असंभव को संभव बना सकती है। लेकिन इसका उपयोग सावधानी पूर्वक और भविष्य को ध्यान में रखते हुए करना होगा क्योंकि एक ओर तो हम आत्मनिर्भरता की बात करते हैं तो दूसरी ओर हम मशीनी निर्भरता के ओर बढ़ रहे हैं, जो हमारे लिए वरदान है तो अभिशाप भी बन सकता।

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

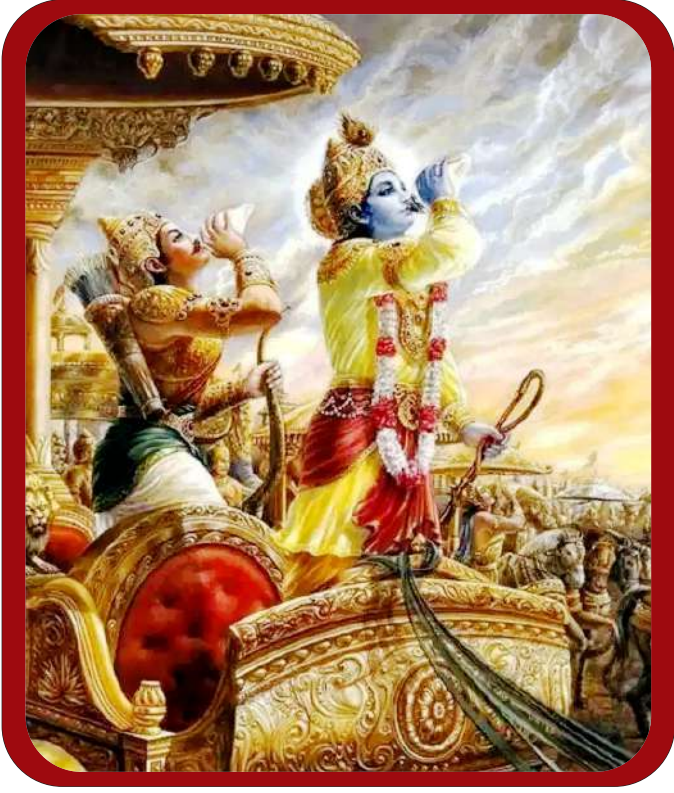
आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007



# आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

## माह विशेष गीता जयंती



द्वापर युग में महाभारत युद्ध के समय श्रीकृष्ण ने जो उपदेश दिए थे, उसे ही गीता कहा जाता है। हिंदू धर्म में श्रीमद्भगवत गीता का बहुत महत्व है। इसे हिंदू धर्म का सबसे महत्वपूर्ण ग्रंथ माना जाता है। भगवत गीता महज एक धार्मिक पुस्तक ही नहीं है, बल्कि गीता के उपदेश में जीवन जीने का तरीका, धर्म का असुसरण करने और कर्म के महत्व पर जोर दिया गया है, साथ ही इसमें कृष्ण ने ऐसे उपदेश दिए हैं, जो परमात्मा, आत्मा और सृष्टि विधान के ज्ञान को स्पष्ट करता है। इसमें कर्म, धर्म और मोक्ष जैसे विषयों के बारे में बताया गया है। जो लोग भगवत् गीता का पाठ करते हैं उनके आत्मबल में वृद्धि होती, वह साहसी और निडर बनकर सदैव कर्तव्य पथ पर आगे की बढ़ता रहता है। दुनियाभर में अलग-अलग धर्मों के अपने धार्मिक ग्रंथ हैं। वहीं हिंदू धर्म में भी कई धार्मिक ग्रंथ हैं। लेकिन गीता दुनिया का

एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसकी जयंती मनाई जाती है। इसका कारण यह है कि गीता ऐसा ग्रंथ है जिसका जन्म स्वयं श्रीकृष्ण मुख से हुआ। गीता में वर्णित एक-एक श्लोक भगवान कृष्ण के मुख से निकले हैं। इसलिए इसकी जयंती मनाई जाती है। पंचांग के अनुसार हर साल मार्गशीर्ष महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गीता जयंती मनाई जाती है।

गीता जयंती का पर्व भगवत गीता के प्राकट्य को समर्पित है। सनातन शास्त्रों में इस बात का उल्लेख किया गया है कि मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि यानी मोक्षदा एकादशी के दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। इसी वजह से हर साल इसी तिथि पर गीता जयंती मनाई जाती है। मोक्षदा एकादशी के दिन श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कुरुक्षेत्र में गीता का उपदेश दिया था। इस दिन जातक विष्णु जी की कृपा प्राप्त करने के लिए विधिपूर्वक मोक्षदा एकादशी का व्रत-पूजा करते हैं और श्रद्धा अनुसार दान करते हैं।

मान्यता है कि ऐसा करने से जीवन में सभी तरह के सुखों की प्राप्ति होती है, साथ ही रुके हुए काम पूरे होते हैं। मोक्षदा एकादशी पर व्रत करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है, मोक्षदा एकादशी का व्रत जो कोई भी करता है उसके पितरों को मुक्ति मिल जाती है।

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

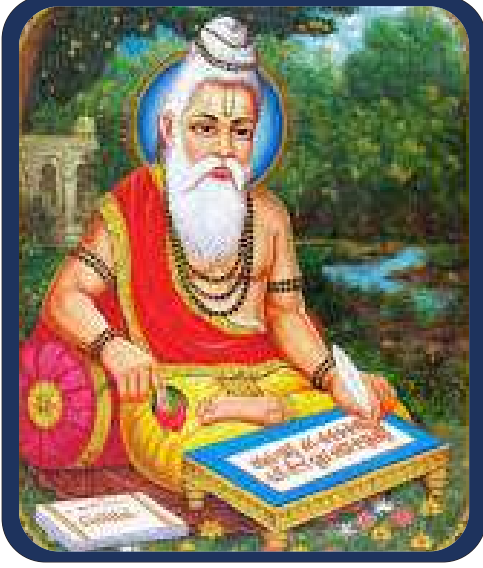


# आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

## हमारी विरासत

### महर्षि बादरायण



महर्षि बादरायण भारतीय दर्शन और अध्यात्म के महान आचार्यों में से एक थे। वेदांत दर्शन के प्रवर्तक और ब्रह्मसूत्र के रचयिता के रूप में उनकी ख्याति अद्वितीय है। उनके द्वारा किया गया कार्य भारतीय संस्कृति और दर्शन को गहराई और स्थायित्व प्रदान करता है। उनके जीवन और दर्शन से जुड़ी अनेक बातें हैं, जो भारतीय चिंतन की महान परंपरा का हिस्सा हैं। इस लेख में उनके जीवन, योगदान और महत्व का विस्तृत वर्णन किया गया है। विद्वान मानते हैं कि महर्षि बादरायण 200 ईसा पूर्व के आसपास हुए थे।

महर्षि बादरायण भारतीय दर्शन के महत्वपूर्ण ग्रंथ ब्रह्मसूत्र के रचयिता माने जाते हैं। ब्रह्मसूत्र को वेदांत सूत्र या शारीरिक मीमांसा सूत्र भी कहा जाता है। इस ग्रंथ में वेदांत दर्शन के सिद्धांतों का संकलन और व्याख्या की गई है। ब्रह्मसूत्र का उद्देश्य उपनिषदों के गूढ़ विचारों को सूत्रबद्ध रूप में प्रस्तुत करना है, ताकि दार्शनिक चिंतन को सरल और संगठित किया जा सके।

ब्रह्मसूत्र के चार अध्याय इस प्रकार हैं। समन्वय अध्याय में उपनिषदों के विभिन्न वाक्यों और विचारों का समन्वय किया गया है। अविरोध अध्याय में वेदांत के सिद्धांतों के विरोधी मतों का खंडन किया गया है। साधन अध्याय में ब्रह्मज्ञान प्राप्त करने के उपायों पर चर्चा की गई है। फल अध्याय में ब्रह्मज्ञान प्राप्त करने के परिणाम और लाभ का वर्णन किया गया है।

इनके दर्शन का आधार वेदांत है। उन्होंने यह स्थापित किया कि ब्रह्म ही इस संसार का एकमात्र कारण है। उनके अनुसार, ब्रह्म परम सत्य और आत्मा जीव का संबंध अद्वैत अर्थात् अभेद है। उन्होंने अद्वैत दर्शन को एक दार्शनिक आधार दिया, जिससे बाद में शंकराचार्य, रामानुजाचार्य और अन्य महान दार्शनिकों ने अपनी व्याख्याएँ प्रस्तुत कीं।

महर्षि ने चार प्रमाणों को मान्यता दी। प्रत्यक्ष प्रमाण अर्थात् इंद्रियों के माध्यम से प्राप्त ज्ञान। अनुमान प्रमाण अर्थात् तर्क के आधार पर ज्ञान। उपमान प्रमाण अर्थात् समानता के आधार पर ज्ञान। शब्द प्रमाण अर्थात् वेदों और श्रुति के माध्यम से प्राप्त ज्ञान। उन्होंने भारतीय दर्शन के अन्य मतों जैसे सांख्य, योग, मीमांसा, वैशेषिक, बौद्ध, जैन और पाशुपत दर्शनों का खंडन करते हुए वेदांत के सिद्धांतों को प्रतिपादित किया। महर्षि ने भारतीय दर्शन और अध्यात्म को एक संगठित रूप दिया। उनके कार्यों ने न केवल तत्कालीन भारतीय समाज को दिशा दी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित किया। उनके द्वारा प्रतिपादित अद्वैत सिद्धांत ने भारतीय चिंतन परंपरा को वैश्व स्तर पर पहचान दिलाई। इनके विचारों का प्रभाव केवल दार्शनिक जगत तक सीमित नहीं है। उनके दर्शन ने भारतीय संस्कृति के हर पहलू को प्रभावित किया है। उनके द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत आज भी योग, ध्यान और आध्यात्मिक साधना में मार्गदर्शक हैं। उनके दर्शन ने आत्मा और ब्रह्म के एकात्मकता के विचार को पुष्ट किया, जो भारतीय अध्यात्म की मूल धारणा है।

आपने भारतीय दर्शन के ऐसे स्तंभ हैं, जिन्होंने अपने गहन चिंतन और रचनात्मकता से भारतीय संस्कृति को समृद्ध किया। उनके द्वारा रचित ब्रह्मसूत्र, महाभारत और पुराण जैसे ग्रंथ आज भी भारतीय समाज की आध्यात्मिक और दार्शनिक धरोहर का हिस्सा हैं। उनका जीवन और योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वे भारतीय दर्शन की उस परंपरा के अग्रदूत हैं, जिसने सत्य, ज्ञान और मोक्ष के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

आपका व्यक्तित्व यह सिखाता है कि गहन चिंतन और सृजनशीलता से मानव जीवन को किस प्रकार उच्चतम आदर्शों की ओर उन्मुख किया जा सकता है। उनके द्वारा प्रतिपादित वेदांत दर्शन न केवल भारतीय संस्कृति की नींव है, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए एक मार्गदर्शक है।

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

### संस्थापक सप्ताह समारोह

### महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद

दिनांक 04 दिसम्बर, 2024। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के प्रति पूरी दुनिया का विश्वास तेजी से बढ़ा है। एक समय था जब भारत दुनिया के किसी भी गुट में नहीं था। देश के सामने असमंजस की स्थिति थी कि उसकी दिशा क्या होगी, उसे क्या करना है। पर, आज का नया भारत दुनिया के ध्रुवीकरण की दिशा तय करता है। दुनिया का ध्रुवीकरण उधर होता है, जिधर भारत होता है।

सीएम योगी बुधवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज परिसर में समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया उसी का अनुसरण करती है जो खुद को उसके अनुरूप तैयार करने का माद्दा रखता है। जो स्वयं खड़ा नहीं हो सकता, वह दूसरों को खड़ा होने की प्रेरणा कैसे दे सकता है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नए भारत को खुद को उसी अनुरूप तैयार किया और परिणाम है कि आज भारत की दिशा के बिना दुनिया की दिशा की कल्पना नहीं की जा सकती है। दुनिया में मानवता के सामने जो चुनौती है, भारत उससे



विद्यार्थियों को सम्बोधित करते माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज

निपटने के विश्वास का प्रतीक बना है। जी-20 का समिट उसका प्रमाण है। आज दुनिया का कोई भी बड़ा आयोजन भारत के बिना नहीं होता है। आज देश विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है।

**देश को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं :** सीएम योगी ने देश को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं होती है। संस्थाओं और व्यक्तियों को भी इसकी जिम्मेदारी उठानी होती है। अब जिम्मेदारी से बचने का नहीं बल्कि जिम्मेदारी समझने और खुद को उसके अनुरूप तैयार करने का समय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लिए अगले 25 वर्ष का रोडमैप तय किया है, देश जब आजादी का शताब्दी महोत्सव मन रहा होगा तब तक देश को

विकसित भारत बनाने का। इसमें हर नागरिक, हर संस्था की भूमिका होनी चाहिए कि हमारा देश आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बने और स्वाभिमान के साथ इस विकास यात्रा में हमारा भी योगदान हो। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के दोनों प्रणेताओं ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी का भी पूरे जीवन यही भाव रहा।

**तकनीकी हमसे संचालित हो, हम तकनीकी से नहीं :** मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को वर्तमान दौर में तकनीकी के प्रयोग की अपरिहार्यता से भी अवगत कराया। साथ ही नसीहत दी कि तकनीकी का इस्तेमाल जीवन को सरल और सहज बनाने के लिए जरूरी है लेकिन यह ध्यान भी रखना होगा कि तकनीकी हमसे संचालित हो, हम तकनीकी से नहीं। हम खुद को तकनीकी

के अनुरूप और तकनीकी को अपने अनुरूप तैयार करें।

**पूरी दुनिया मानती है भारतीय प्रतिभा का लोहा :** सीएम योगी ने कहा कि हर कालखंड में भारत ने पूरी दुनिया में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। विश्व के सौ प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रमुख एक्जीक्यूटिव की बात करें तो इसमें सबसे बड़ी संख्या भारतीय नौजवानों की है। सीएम ने कहा कि ये नौजवान पूरी दुनिया में अपनी तकनीकी ज्ञान का लोहा मनवा रहे हैं।

शिक्षा परिषद की 92 वर्ष की यात्रा समग्र मूल्यांकन का अवसर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना के परिस्थितियों और इसकी अबतक की यात्रा को याद करते हुए कहा कि परिषद की 92 वर्ष की यात्रा इस बात के समग्र मूल्यांकन का अवसर है कि नए भारत के लिए संस्था किस दृष्टि



# आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

से तैयार हो। उन्होंने कहा कि 1932 में जब ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने जब इस परिषद रूपी छोटे बीज को रोपित किया था तब साधन और संसाधन नहीं थे। देश तब गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था। एक ओर आजादी की लड़ाई हिलोरें ले रही थी तो दूसरी ओर आजादी हासिल करने के विश्वास भाव के साथ आजाद भारत के नेतृत्व के लिए योग्य नागरिक तैयार करने की चुनौती थी। इसी को ध्यान में रखकर ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की और उसी के अनुरूप उनके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी ने आगे बढ़ाया।

आज के दिन अनुशासन, एकाग्रता, कठिन परिश्रम और टीम भावना सफलता के लिए आवश्यक : महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह

समारोह के उद्घाटन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन अनुशासन पर्व है। जीवन में सर्वांगीण विकास के लिए अनुशासन अपरिहार्य है। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता हासिल करने का मंत्र देते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा के एकल क्षेत्र में एकाग्रता और कठिन परिश्रम जरूरी है तो समूह में व्यक्तिगत एकाग्रता व कठिन परिश्रम के साथ टीम भावना का होना अहम है। एकाग्र भाव, कठिन परिश्रम और टीम भावना ही सफलता का मूलमंत्र है। यदि यह तीनों एकसाथ हों तो कुछ भी असंभव नहीं रह जाता।

संस्थापक समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम में सबसे पहले समारोह अध्यक्ष, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि व अन्य गणमान्यजन ने मां सरस्वती, गुरु गोरखनाथ, महाराणा प्रताप, ब्रह्मलीन महंत

दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमाओं पर पुष्पार्चन किया। इसके बाद स्वागत संबोधन में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. यूपी सिंह ने परिषद की प्रगति यात्रा पर प्रकाश डाला।

शुभारंभ अवसर पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा की सलामी मुख्य अतिथि, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने ली। कार्यक्रम के शुरुआत में मुख्य अतिथि ने महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के बलरामपुर हाल में लगी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्हें एनसीसी कैडेट्स की तरफ से गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया गया। समारोह में महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, महायोगी गोरखनाथ

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय मीरजापुर की कुलपति प्रो. शोभा गौड़, मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय बलरामपुर के कुलपति प्रो. रवि शंकर सिंह, गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, एमएलसी डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सभी पदाधिकारी व सदस्य, परिषद से जुड़ी शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों, शिक्षकों व विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

संचालन डॉ. श्रीभगवान सिंह व आभार ज्ञापन एमपी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अरुण सिंह ने किया।



सम्बोधित करते माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज एवं मंचासीन गणमान्य

### संस्थापक सप्ताह समारोह

### महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद



विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए नरेंद्र सिंह तोमर जी

**दिनांक 04 दिसम्बर, 2024**। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि एक समय वह भी आ गया था जब उत्तर प्रदेश में कोई आने को तैयार नहीं था। पर, योगी आदित्यनाथ ने जबसे मुख्यमंत्री के रूप में यहां कमान संभाली है तबसे यूपी का प्राचीन वैभव पुनर्स्थापित होने लगा है। कानून व्यवस्था की बात हो, निवेश लाने की, स्वास्थ्य क्षेत्र की सुदृढ़ता, गरीबी उन्मूलन या फिर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने की, उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने हर दिशा में सफलतापूर्वक कदम बढ़ाए हैं।

श्री तोमर बुधवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ से वह कई भूमिकाओं में मिलते रहे हैं।

गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में वह भक्तियोग का मार्ग दिखाते हैं तो उसी के समानांतर राजनेता के रूप में कर्मयोग का भी रास्ता बताते हैं। गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में उनकी अपनी जो साधना है वो तो प्रेरणादायी है ही, कर्मयोग के मार्ग पर चलते हुए एक राजनेता, सांसद व मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने जो काम किया है, उनकी जितनी प्रशंसा की जाये उतनी कम है। उन्होंने भगवान गोरखनाथ की धरा पर आगमन का आमंत्रण पाने के लिए खुद को सौभाग्यशाली बताया।

श्री तोमर ने गोरक्षपीठ के प्रकल्प महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के व्यापक लोक सरोकारों का उल्लेख करते हुए कहा कि कोई भी आध्यात्मिक संस्थाए पीठ या मठ सामान्यतः भक्ति योग की प्रेरणा देती है। परए गोरक्षपीठ एक ऐसी संस्था है जो भक्तियोग के साथ कर्मयोग में रत होकर, इसकी प्रेरणा देकर

नागरिकों के जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है। इस परिप्रेक्ष्य में गोरक्षपीठ और इसकी संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद समूचे देश के लिए प्रेरणास्रोत है।

**एमपी शिक्षा परिषद का ध्येय सर्वांगीण विकास और लोक कल्याण का परम वैभव:** मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि कोई संस्था शिक्षा के क्षेत्र में काम करती है तो कोई तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में। पर, बात जब महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की आती है तो हमारा ध्यान सर्वांगीण विकास और लोक कल्याण के परम वैभव की समग्र योजना की तरफ जाता है। आज इस परिषद के द्वारा 50 से अधिक संस्थाओं का संचालन करना यह अपने आप में अद्वितीय उदाहरण है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने शिक्षा के सर्वांगीण विकास के लिए जो काम किया है वह अपने आप में

अद्भुत है और निश्चित रूप से प्रेरणादायी है।

**सीएम योगी के नेतृत्व में वट वृक्ष बना शिक्षा परिषद :** श्री तोमर ने कहा कि आजादी के बाद देश के भविष्य के लिए योग्य नागरिकों की तालिका खड़ी करने की दूरदृष्टि से ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने एमपी शिक्षा परिषद के जिस बीज को रोपा और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी ने उससे निकले पौधे को सींचा, वह आज योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में वट वृक्ष के रूप में खड़ा है। इसकी छाया में सारा पूर्वांचल आज अपने आप को गौरवान्वित कर रहा है।

**पीएम मोदी के नेतृत्व में निरंतर आगे बढ़ रहा भारत :** श्री तोमर ने कहा कि आज भारत निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सूझबूझ और अदम्य साहस, कठोर परिश्रम के कारण भारत की ख्याति दुनिया के मानचित्र पर तेजी के साथ स्थापित हो रही है। एक कालखंड था जब भारत को वैश्विक मंचों पर बहुत तजब्बों नहीं मिलती थी लेकिन आज हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि कोई भी वैश्विक मंच पर दुनिया में नहीं है जिसका एजेण्डा भारत की अनदेखी करने का साहस कर सके। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें हम सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लागू हुई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिणाम शनैः-शनैः परिलक्षित होंगे और इससे आमूलचूल बदलाव होगा।



# आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

शिक्षाए देश को सुयोग्य मानव संसाधन उपलब्ध कराने की माध्यम बनेगी।

**एनईपी से वैषयिक सीमाओं से परे हुई शिक्षा : प्रो. राजीव कुमार :** महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद अखिल भारतीय

तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में शिक्षा को वैषयिक सीमाओं से परे कर दिया गया है। विद्यार्थी किसी भी स्ट्रीम से खुद को किसी और स्ट्रीम में

शिफ्ट कर सकते हैं।

एनईपी ने शिक्षा और रोजगार को एक बड़ा व्यापक क्षेत्र दिया है। इस शिक्षा नीति से विद्यार्थी अपनी डिग्री को अपने हिसाब से कस्टमाइज कर सकते हैं। प्रो. राजीव कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने अपनी मातृभाषा में शिक्षा की सुविधा दी है।

तकनीकी शिक्षा आज 12 भारतीय भाषाओं में ग्रहण की जा सकती है। यह शिक्षा नीति युवाओं को आज की आवश्यकताओं के अनुरूप नवाचार उन्मुख होने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि आज नियामक संस्थाएं शिक्षण संस्थानों के लिए सहयोगी की भूमिका में आ गई हैं।



शिक्षा परिषद के अंतर्गत विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों से शोभायात्रा हेतु उपस्थित विद्यार्थी

## चिकित्सालय निरीक्षण



चिकित्सालय निरीक्षण के दौरान रोगी व तीमारदारों से कुशलक्षेम पूछते हुए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति माननीय योगी आदित्यनाथ जी महाराज

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर



दिनांक 05 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में

संचालित चिकित्सालय का डायलिसिस युनिट पूर्वांचल का सबसे बड़ा यूनिट हो गया है।

यह जानकारी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित

श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य कर्नल डॉ. अरविन्द सिंह

कुशवाहा जी द्वारा दिया गया। कर्नल अरविन्द कुशवाहा जी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के कर कमलों से 5 मार्च 2022 को चिकित्सालय में डायलिसिस यूनिट का शुभारंभ किया गया था उस समय चिकित्सालय में कुल 4 डायलिसिस मशीने थी मरीजों के बढ़ते मामलों को देखते हुए गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ के डायलिसिस केंद्र को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर बालापार के चिकित्सालय में स्थानांतरित

कर दिया गया है जिससे अब चिकित्सालय में कुल 18 डायलिसिस मशीनों के आने से चिकित्सालय पूर्वांचल के सबसे बृहद डायलिसिस सेंटर के रूप में प्रतिष्ठित हो गया है। डायलिसिस सेंटर को प्रारंभ करने से पूर्व 30 नवम्बर 2024 को विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने इसका निरीक्षण कर प्रारंभ करने की संस्तुति दी। अब महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के

चिकित्सालय में पूर्वांचल के एक बड़े डायलिसिस सेंटर का संचालन का प्रारंभ हो गया है। पहले पूर्वांचल के डायलिसिस मरीजों को शहर से बाहर अन्य राज्य में जाकर दर दर भटकना पड़ता था अब इस सेंटर की स्थापना से पूर्वांचल के मरीज एवं उनके परिजनों को डायलिसिस के लिए कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। चिकित्सालय में प्रतिदिन कुल 60 से अधिक गुर्दे के मरीजों का डायलिसिस किया जा रहा है। लोक सेवा के क्षेत्र में स्थापित महाराणा प्रताप

शिक्षा परिषद के सेवा भाव समर्पण के उद्देश्य को सार्थक बनाने की अग्रिणी पहल है। कर्नल डॉ. अरविन्द सिंह कुशवाहा जी ने बताया कि चिकित्सालय में प्रतिष्ठित वरिष्ठ चिकित्सको एवं टेक्नियनो द्वारा मरीजों की सेवा की जा रही है। डायलिसिस केंद्र के बृहद स्थापना पर कुलपति प्रो. सुरेंद्र सिंह एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने शुभकामना दिया और निर्देशित किया कि मरीजों के साथ पारिवारिक बर्ताव किया जाये जिससे उन्हें अपनत्व का भाव जागृत हो।

### मिशन शक्ति चरण-5 : व्याख्यान



छात्रों को सम्बोधित करती हुई डॉ. इंदु चौधरी जी

### गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

दिनांक 07 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में मिशन शक्ति चरण-5 के अंतर्गत नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं को रोजगारपरक कौशल के बारे में जानकारी दी गई।

जिसमें उन्हें अपने संचार

कौशल को कैसे विकसित किया जाए साथ ही कार्य क्षेत्र में शारीरिक भाषा कैसे हो के बारे में जानकारी दी गई तथा उन्हें अपने व्यक्तित्व में विकसित करने के तरीकों को मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी डॉ. इंदु चौधरी ने बताया। कार्यक्रम में शिक्षिकाएं एवं जी.एन.एम. द्वितीय वर्ष के सभी छात्राएं उपस्थित रही।

### पोषण कार्यक्रम

दिनांक 09 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में पोस्ट बेसिक बी.एस.सी. नर्सिंग प्रथम वर्ष में अध्ययनरत कुल 20 छात्राओं ने चार ग्रुप में अपने पोषण प्रभारी शिक्षिकाओं (मिस गनजानी, मिस सारिका, मिस अभया और मिस साक्षी) के मार्गदर्शन में पोषण कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें उन्होंने विभिन्न आहार पर आधारित जैसे प्रसव पूर्व आहार (पालक पराठा, खीर, फलों का सलाद), आयरन युक्त आहार (पालक पकौड़ा,

ब्रोकली सलाद, चुकंदर का जूस), संतुलित आहार (चना सलाद, सेब का कस्टर्ड, सूजी का हलवा) एवं सादा आहार (गाजर का हलवा, दलिया, सब्जी का सूप) से संबंधित अलग-अलग प्रकार के खाद्य पदार्थ तैयार किये।

उन्होंने कॉलेज में उपस्थित उप प्राचार्य श्रीमती प्रिंसी जॉर्ज एवं सभी प्राध्यापकों के समक्ष ए. वी. एड्स की सहायता से सभी पोषक मूल्यों, विभिन्न स्रोतों और हमारे स्वास्थ्य के लिए इसके महत्व के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया की, प्रसवपूर्व अवधि के दौरान माँ और



पोषण कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देती छात्रा

विकासशील भ्रूण के लिए सबसे महत्वपूर्ण तत्व आयरन होता है जो भ्रूण के उचित विकास में मदद करता है और किसी भी असामान्यता की घटना को रोकता है तथा यह माँ में पर्याप्त

रक्त निर्माण को बनाए रखने में भी मदद करता है। आयरन एक महत्वपूर्ण खनिज है जो शरीर में मुख्य भूमिका निभाता है, मुख्य रूप से हीमोग्लोबिन के निर्माण में, जो रक्त में ऑक्सीजन ले





# आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

जाता है। यह ऊर्जा उत्पादन एवं प्रतिरक्षा कार्य और प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए भी आवश्यक है। आयरन स्वस्थ कोशिकाओं, ऊतकों और अंगों को बनाए रखने में मदद करता है। बेहतर अवशोषण के लिए विटामिन सी युक्त लौह समृद्ध खाद्य पदार्थों जैसे खट्टे

फल या शिमला मिर्च का सेवन करने को कहा जाता है ए जो लौह अवशोषण को बढ़ाते हैं। उन्होंने यह भी बताया की संतुलित आहार का महत्व प्रतिरक्षा और ऊर्जा को बढ़ाना विकास ए अंग कार्य और समग्र स्वास्थ्य का समर्थन करना है तथा यह पोषण

संबंधी कमियों को रोकता है। और अंत में उन्होंने बताया की सादा आहार पाचन के लिए बेहद फायदेमंद होता है क्योंकि यह हल्का और आसानी से पचने वाला खाना होता है। यह विशेष रूप से अपच ए एसिडिटी और गैस्ट्रिक समस्याओं से पीड़ित लोगों के

लिए लाभकारी है। मसालों और तली-भुनी चीजों से बचाव करते हुए सादा आहार पेट को आराम प्रदान करता है और शरीर को अनावश्यक बोझ से मुक्त रखता है। इसके साथ ही, यह ऊर्जा और जरूरी पोषक तत्वों की पूर्ति करता है।

## स्वास्थ्य कार्यक्रम

## गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग व महन्त अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज



बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करती हुई नर्सिंग की छात्राएं

दिनांक 12 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में बेसिक बीएससी नर्सिंग सातवीं सेमेस्टर में अध्ययनरत कुल 30 छात्राओं ने चार शिक्षिकाओं (मिस साक्षी गुप्त, मिस सिमरन,

मिस ममता चौरसिया, मिस सुधा यादव) के मार्गदर्शन में ओंकार नगर, सोनबरसा बालापार, गोरखपुर में उपस्थित जूही स्मृति बाल विद्यालय में दंत स्वच्छता पर स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें कक्षा 8 तक के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे जिसमें नुककड़ नाटक और

चार्ट प्रस्तुति की मदद से दंत समस्याओं के सामान्य कारण और जोखिम कारक, इसके प्रबंधन और रोकथाम पर स्वास्थ्य शिक्षा प्रस्तुत की।

उन्होंने दांतों की समस्याओं के बारे में बताया जैसे मीठा ज्यादा खाना (चॉकलेट, टॉफी और मिठाई खाने से कीड़े लगते हैं), ब्रश न करना (दांत गंदे रहते हैं और सड़ने लगते हैं), सख्त चीजें चबाना (पेंसिल या नाखून चबाने से दांत टूट सकते हैं), जंक फूड खाना (चिप्स और कोल्ड ड्रिंक से दांत कमजोर होते हैं), उन्होंने यह भी बताया कि दांतों की देखभाल हम अलग-अलग तारीके से कर सकते हैं जैसे-रोज ब्रश करें (सुबह और रात को सोने से पहले), खाने के

बाद कुल्ला करें (मुंह साफ रखने के लिए), अच्छा खाना खाएं (फल और दूध से दांत मजबूत बनते हैं), चेकअप कराएं (6 महीने में एक बार डॉक्टर को दिखाएं), पानी पिएं (खाने के बाद पानी पीने से मुंह साफ रहता है)

अंत में उन्होंने दांत खराब होने से बचने के उपाय बताये जैसे-मीठा कम खाएं (अगर खाएं तो कुल्ला जरूर करें), जंक फूड से बचे (सेहत और दांत दोनों के लिए खराब होता है), दांतों का ध्यान रखें (दांतों से नट्स या सख्त चीजें न तोड़ें), साफ-सफाई रखें (दांत और जीभ दोनों को ब्रश करें) और अगर हम अपने दांतों का ख्याल रखेंगे, तो हमेशा मजबूत और सुंदर दांत रहेंगे।

## मिशन शक्ति चरण-5 : व्याख्यान

## गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग



छात्राओं को सम्बोधित करती डॉ. इंदू चौधरी

दिनांक 13 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत

संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में मिशन शक्ति चरण-5 के अंतर्गत 'योग और महिला स्वास्थ्य'

विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नर्सिंग कॉलेज की सभी शिक्षिकाएं एवं जीएनएम प्रथम वर्ष की कुल 96 छात्राएं उपस्थित रही। मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी डॉ. इंदू चौधरी ने छात्राओं को योग का महत्व बताते हुए कहा कि योग भारतीय मनीषियों द्वारा दी गई एक ऐसी विधा है जिसमें संपूर्ण स्वास्थ्य के रहस्य छिपे हैं। इसे दैनिक जीवन में अपना कर महिलाएं स्वयं को हर प्रकार से स्वस्थ रख सकती हैं। सूक्ष्म व्यायाम ऐसे व्यायाम है

जिन्हें दैनिक कार्यों के साथ-साथ आसानी से किया जा सकता है। डॉ. राधा विश्वकर्मा ने छात्राओं को प्राणायाम के लाभ बताते हुए कहा कि प्राणायाम से हमारे शरीर में ऑक्सीजन पर्याप्त मात्रा में पहुंचती है और हम ऊर्जावान रहते हैं। शिक्षिका प्रज्ञा मिश्रा ने छात्राओं को स्मृति बढ़ाने वाले आसनो की जानकारी दी। कार्यक्रम में सूर्य नमस्कार सहित अनेकों आसनो की जानकारी दी गई तथा प्राणायाम का अभ्यास भी कराया गया।

### सेमेस्टर परीक्षा

### महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर



विश्वविद्यालय के सत्र 2024-25 की विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

दिनांक 16 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के सत्र 2024-25 की विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं प्रारम्भ हुईं। जिसमें कृषि संकाय, संबद्ध

स्वास्थ्य विज्ञान, फार्मसी एवं कामर्स एंड मैनेजमेंट संकाय के विद्यार्थियों ने भाग लिए। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. अमित कुमार सिंह ने अवगत कराया कि यह परीक्षा

16 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक अनुशासन पूर्ण, नकलविहीन कराई जा रही हैं। इस परीक्षा में कुल 1195 विद्यार्थी सम्मिलित हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के माननीय

कुलपति और कुलसचिव महोदय ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए परीक्षा विभाग को यह निर्देश दिया कि परीक्षाएं सुचारु और सुव्यवस्थित ढंग से परिचालित की जाएं।

### शैक्षणिक भ्रमण

### गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग व महन्त अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज



पादरी बाजार, शिवपुर साहबजगंज, गोरखपुर में स्थित गोरखपुर वृद्धाश्रम में वृद्धों के मनोबल को बढ़ाते एवं वृद्धाश्रम की जानकारी लेती छात्राएं

दिनांक 16 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय की बीएससी नर्सिंग 7वां सेमेस्टर में अध्ययनरत 60 छात्राओं ने चार शिक्षिकाओं (मिस श्रद्धा, मिस खुशबू, मिस हर्षिता और मिस गरिमा पांडे) के देखरेख में पोस्ट-पादरी बाजार, शिवपुर

साहबजगंज, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में स्थित गोरखपुर वृद्धाश्रम का शैक्षणिक भ्रमण किया। छात्राओं को वृद्धाश्रम की हेड इंचार्ज (बहन बेनेट एल.एम.सी.) ने महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए छात्राओं को वृद्धाश्रम के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कराया। उन्होंने बताया कि इसकी आधारशिला श्री रघुनंदन सिंह

टोलिया ने 12.12.1992 को रखी गई थी। यह एक धर्मार्थ ट्रस्ट है जिसकी शाखाएं दुनिया भर में हैं और इसका संचालन स्थानीय लोगों द्वारा उपलब्ध कराए गए धन से होता है। संस्था का उद्देश्य निराश्रित लोगों को देखभाल और बेहतर जीवन प्रदान करना है ताकि वे बेहतर जीवन जी सकें। वृद्ध लोगों को तीन के समूह में

बांटा जाता है, जहां उनकी सभी जरूरतों को पूरा किया जाता है उन्हें विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों (योग, ध्यान, संगीत चिकित्सा, नृत्य, चित्रकला) आदि जैसे नए कौशल सिखाए जाते हैं। उन्हें व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में भी बताया जाता है और अंत में छात्रों ने उनके साथ मनोरंजन जैसे भी किया।



ओंकार नगर, सोनबरसा बालापार, गोरखपुर में सामूहिक स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान के अंतर्गत महिलाओं को जागरूक करती नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं

दिनांक 17 दिसम्बर, 2024 को महायात्री गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में बेसिक बीएससी नर्सिंग सातवीं सेमेस्टर में अध्ययनरत कुल 30 छात्राओं ने चार शिक्षिकाओं (मिस खुशबू, मिस गरिमा, मिस श्रद्धा और मिस हर्षिता) के मार्गदर्शन में ओंकार नगर, सोनबरसा बालापार, गोरखपुर में सामूहिक स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान किया। इसमें गाँव के बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएँ और वयस्क उपस्थित थे।

जिसमें नुककड़ नाटक और चार्ट प्रस्तुति की मदद से त्वचा विकार की रोकथाम और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा और पर्यावरण स्वच्छता पर स्वास्थ्य शिक्षा दी गई, इसमें बताया गया कि महिलाओं के मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के लिए आवश्यक उपाय करना चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए कि महिलाएँ संक्रमण से बच सकें और अपने स्वास्थ्य को बेहतर रख सकें, महावारी स्वच्छता अत्यंत महत्वपूर्ण है, महावारी के दौरान महिलाओं को अपनी

निजी स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए। विशेष रूप से जांघों, पेट और जननांगों की सफाई नियमित रूप से करनी चाहिए।

महावारी के दौरान सेनेटरी पैड, टैम्पोन या मासिक धर्म कप का उपयोग करना चाहिए। इनका समय-समय पर बदलना जरूरी है, ताकि संक्रमण से बचा जा सके। पैड को 4-6 घंटे में बदलना चाहिए। इस्तेमाल किए गए पैड या टैम्पोन को इधर-उधर न फेंकें, बल्कि इसे अच्छे से लपेटकर कूड़ेदान में डालें। पैड को जलाकर या गहरे गड्ढे में दफन करना भी एक सुरक्षित तरीका हो सकता है। महावारी के दौरान महिलाओं को पौष्टिक आहार और पर्याप्त पानी का सेवन करना चाहिए, ताकि शरीर में कमजोरी या निर्जलीकरण न हों, महिलाओं को सूती और आरामदायक कपड़े पहनने चाहिए, जिससे हवा पास आ सके और शरीर में नमी कम हो, पर्याप्त नींद और हल्की एक्सरसाइज भी महिलाओं को महावारी के दौरान राहत दे सकती है। त्वचा विकार की रोकथाम पर स्वास्थ्य शिक्षा देते हुए कहा कि त्वचा विकार वे बीमारियाँ हैं जो त्वचा को

प्रभावित करती हैं, जैसे— एकिजमा, सोरायसिस, फंगल इन्फेक्शन, एलर्जी आदि। ये विकार त्वचा में खुजली, लालिमा, दाने, सूजन या जलन पैदा कर सकते हैं। त्वचा विकार के विभिन्न कारण होते हैं जैसे— संक्रमण (बैक्टीरिया, वायरस या फंगल संक्रमण के कारण त्वचा विकार होते हैं), एलर्जी (धूल, रसायन या किसी उत्पाद से एलर्जी त्वचा पर बुरा असर डालती है, अनुवांशिकता (परिवार के इतिहास में त्वचा रोग होना), खानपान और जीवनशैली (असंतुलित आहार, धूम्रपान, तनाव और स्वच्छता की कमी) पर्यावरणीय कारण (प्रदूषण और सूर्य की अल्ट्रावायलेट किरणें) त्वचा विकार की रोकथाम के महत्त्व के बारे में बताया कि त्वचा विकारों की रोकथाम से त्वचा स्वस्थ रहती है, आत्मविश्वास बढ़ता है और गंभीर समस्याओं जैसे संक्रमण या पुरानी बीमारियों से बचाव होता है। रोकथाम से समय और धन दोनों की बचत होती है। तथा त्वचा विकार से बचाव के कई उपाय यह हैं जैसे— व्यक्तिगत स्वच्छता (नियमित रूप से स्नान करें और त्वचा को साफ रखें), संतुलित

आहार (पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें, जैसे— फल, सब्जियाँ और पर्याप्त पानी), सूर्य से बचाव (सनस्क्रीन का उपयोग करें और धूप में ज्यादा देर तक न रहें), एलर्जी से बचाव (उन चीजों से दूर रहें जो एलर्जी पैदा करती हैं), तनाव प्रबंधन (योग, ध्यान और पर्याप्त नींद लें), त्वचा को मॉइस्चराइज करें (त्वचा को रूखा होने से बचाएँ) इन सरल उपायों को अपनाकर त्वचा विकारों को काफी हद तक रोका जा सकता है और त्वचा को स्वस्थ रखी जा सकती है, पर्यावरण हमारे चारों ओर के सभी प्राकृतिक और कृत्रिम तत्वों का मिश्रण है, जैसे हवा, पानी, मिट्टी, पेड़-पौधे और जीव-जंतु। स्वच्छता का अर्थ है पर्यावरण को साफ और सुरक्षित बनाए रखना ताकि बीमारियों और प्रदूषण से बचाया जा सके। स्वच्छ पर्यावरण स्वस्थ जीवन का आधार है। पर्यावरण को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारक हैं जैसे प्रदूषण (वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, भूमि प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण), मानव गतिविधियाँ (जंगलों की कटाई, उद्योगों से निकलने वाले कचरे और गैसों, प्लास्टिक और रसायनों का

अत्यधिक उपयोग), प्राकृतिक आपदाएँ, भूकंप, बाढ़, सूखा), अत्यधिक जनसंख्या (संसाधनों का अत्यधिक दोहन और कचरा बढ़ना), पर्यावरणीय समस्याओं के कारणों के बारे में बताया कि औद्योगिकीकरण (कारखानों से निकलने वाले प्रदूषक पर्यावरण को नुकसान पहुँचाते हैं), अत्यधिक शहरीकरण, शहरों में बढ़ती आबादी और कचरे का

सही निपटान न होना, प्लास्टिक का उपयोग (प्लास्टिक नष्ट नहीं होता और भूमि तथा जल को प्रदूषित करता है), जंगलों की कटाई (पेड़ काटने से ऑक्सीजन की कमी और मिट्टी का कटाव होता है), खानपान और जीवनशैली (कचरे को सही तरीके से न फेंकना और संसाधनों का दुरुपयोग) पर्यावरण को बेहतर बनाने के कुछ उपाय इस

प्रकार है। पेड़ लगाना (अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें), पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण (प्लास्टिक और कागज जैसे चीजों का दोबारा उपयोग करें), कचरा प्रबंधन (कचरे को सही तरीके से निपटाएँ और गीले-सूखे कचरे को अलग रखें, स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग (सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा जैसी पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा

अपनाएँ), प्रदूषण को नियंत्रित करना। स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है। हमें यह समझना चाहिए कि पर्यावरण की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। अगर हम छोटे-छोटे कदम उठाएँ, जैसे पेड़ लगाना, कचरा प्रबंधन और जागरूकता फैलाना, तो एक स्वच्छ और सुरक्षित दुनिया बनाई जा सकती है।

### शैक्षणिक भ्रमण



जल संयंत्र के विषय में जानकारी लेते छात्राएँ

दिनांक 17 दिसम्बर, 2024 को रामगढ़ ताल रामपुर, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में स्थित जल संयंत्र का भ्रमण महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की छात्राओं ने किया। यह कॉलेज की तरफ से शैक्षणिक भ्रमण

रहा। इसमें एएनएम प्रथम वर्ष की कुल 50 छात्राएँ एवं दो शिक्षिकाएँ (मिस विनीता और मिस निधि राय) शामिल रहीं। विश्वविद्यालय से संयंत्र तक की कुल दूरी 18 किलोमीटर रही स छात्राओं को जल संयंत्र के प्रभारी अनुराग श्रीवास्तव और

### गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

प्रबंधक हनुमंत उपाध्याय ने कुछ महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ दी, जिसमें सबसे पहले छात्राओं को जल संयंत्र के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कराया गया। उनको वहाँ के कुल संयंत्र प्रयोगशाला, प्रतिदिन कुल जल के सफाई का लागतए, जल संयंत्र के विभिन्न तरीके, स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े लाभ, वातावरण की सफाई-सफाई इत्यादि से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सीवेज जल उपचार के लिए क्लोरीनीकरण अथवा अन्य कई केमिकल्स का इस्तेमाल करते हुए मुख्य रूप से चार तरीके अपनाए जाते हैं। भौतिक, जैविक, रसायन और किचड़ जल उपचार इन तरीकों का पालन करके उचित जल की सभी दूषित पदार्थों को सूक्ष्म

जीव से रहित किया जाता है और उपचार जल में परिवर्तित किया जाता है, जो मानव उपयोग और पर्यावरण दोनों के लिए सुरक्षित होता है। उन्होंने यह भी बताया कि गोरखपुर क्षेत्र में दो सीवेज उपचार संयंत्र का निर्माण किया गया है जिसमें एक सूर्यकुंड में स्थित है। सरकार द्वारा प्रति वर्ष इसके लिए 66 लाख रुपए प्रदान किये जाते हैं, जिसमें से 6000 रुपये प्रति मि. ली. प्रतिदिन का लागत है। अंत में वह कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुविधाएँ हेतु पी.पी.ई. किट, दवाइयाँ, आपात्कालीन प्रोटोकॉल, कुल कर्मचारियों की संख्या तथा उपकरणों इत्यादि के इस्तेमाल से जुड़ी जानकारियाँ दी।

### मिशन शक्ति चरण-5



विद्यार्थियों को सम्बोधित करती अंकिता दीक्षित

### महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

दिनांक 17 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में मिशन शक्ति चरण-5 के अंतर्गत 'भारत में महिला पैरामेडिक्स : वर्तमान और भविष्य' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी डॉ. इंदु चौधरी, ने छात्राओं को मिशन शक्ति के

माध्यम से महिला शिक्षा, सुरक्षा, तथा स्वालंबन के प्रति जागरूक किया। मिशन शक्ति के अंतर्गत भारत में महिला पैरामेडिक्स का वर्तमान तथा भविष्य विषय पर अंकिता दीक्षित ने छात्राओं को संबोधित किया तथा पैरामेडिकल क्षेत्र में महिलाओं की उपयोगिता के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में महिला पैरामेडिक्स की भूमिका

दिन-प्रतिदिन महत्वपूर्ण होती जा रही है। वर्तमान समय में महिला पैरामेडिक्स न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं, बल्कि वे देश की चिकित्सा प्रणाली को सशक्त बनाने में भी सहायक सिद्ध हो रही हैं। वर्तमान स्थिति—

1. बढ़ती भागीदारी: भारत में पैरामेडिकल क्षेत्र में महिलाओं की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। महिलाएं नर्सिंग, फिजियोथेरेपी, लैब तकनीशियन, एम्बुलेंस सेवाओं और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।
2. सरकारी योजनाएं: केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा महिला

स्वास्थ्य कर्मियों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं, जैसे—नेशनल हेल्थ मिशन (NHM)

3. शिक्षा और प्रशिक्षण: पैरामेडिकल शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए अधिक प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना की गई है।

4. चुनौतियां: लैंगिक भेदभाव, कार्यस्थल पर सुरक्षा की कमी ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करने की कठिनाई भविष्य की संभावनाएं

1. रोजगार के अवसर: आने वाले समय में पैरामेडिकल क्षेत्र में लाखों नई नौकरियां उपलब्ध होंगी। अस्पताल, क्लीनिक, लैब्स

और एम्बुलेंस सेवाओं में महिला पैरामेडिक्स की मांग बढ़ेगी।

2. तकनीकी विकास: डिजिटल हेल्थकेयर और टेलीमेडिसिन के क्षेत्र में महिलाओं के लिए नए अवसर खुलेंगे।

3. सामाजिक बदलाव: महिलाओं की उपस्थिति से स्वास्थ्य सेवाओं में महिलाओं के लिए अधिक संवेदनशील और सुलभ सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी।

4. वैश्विक अवसर: प्रशिक्षित महिला पैरामेडिक्स के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी करियर के अवसर मौजूद हैं।

**निष्कर्ष** : भारत में महिला पैरामेडिक्स का वर्तमान योगदान

सराहनीय है और भविष्य में उनकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाएगी। सरकार, समाज और निजी संस्थानों को मिलकर महिला पैरामेडिक्स को सशक्त बनाना होगा ताकि वे देश की स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत कर सकें और अपनी आर्थिक और सामाजिक स्थिति को सुधार सकें।

उपयुक्त कार्यक्रम में पैरामेडिकल संकाय के शिक्षकगण सुप्रिया गुप्ता, आकांक्षा दीक्षित, ज्योति गुप्ता, अभिनव सिंह राठौड़, संदीप शर्मा, संजीव विश्वकर्मा, जय शंकर, शुभम मोर्य एवं अन्य उपस्थित रहें।

### सामूहिक स्वास्थ्य शिक्षा

### गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग व महन्त अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज



ओंकार नगर, सोनबरसा बालापार, गोरखपुर में सामूहिक स्वास्थ्य शिक्षा के दौरान ग्रामीणों को जागरूक करती नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं

दिनांक 18 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में बेसिक बीएससी नर्सिंग सातवीं सेमेस्टर में अध्ययनरत कुल 30 छात्राओं ने चार शिक्षिकाओं (मिस खुशबू, मिस गरिमा, मिस श्रद्धा और मिस हर्षिता) के मार्गदर्शन में ओंकार नगर, सोनबरसा बालापार, गोरखपुर में सामूहिक स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान किया। इसमें गाँव के बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएँ और

वयस्क उपस्थित थे। जिसमें नुककड़ नाटक, कठपुतली शो मॉडल और चार्ट प्रस्तुति की मदद से घर में दुर्घटनाओं की रोकथाम, परिवार नियोजन, वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम पर स्वास्थ्य शिक्षा दी, घरेलू दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए फर्श को साफ और सूखा रखें। गीला या फिसलन भरा फर्श घर में गिरने का मुख्य कारण बन सकता है। रग और कालीन को इस तरह रखें कि वे घसीटने के कारण न गिरने का कारण बनें।

बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए नुकली कोनों को ढकें और ऊंचे स्थानों पर सामान रखें। बच्चों के खेल के लिए खिलौनों को ठीक से रखें और बिजली के तारों से दूर रखें।

रसोई में आग और गर्म बर्तनों से बचाव के लिए बच्चों को रसोई से दूर रखें। गैस का पाइप सही तरीके से जुड़ा हुआ हो और आग बुझाने वाला यंत्र पास में रखें। घर में बिजली के तारों और उपकरणों को नियमित रूप से चेक करें। खराब तारों को जल्द

ठीक करवाएं और विद्युत उपकरणों का सही तरीके से उपयोग करें। सीढ़ियों में रेलिंग लगवाएं और सुनिश्चित करें कि सीढ़ी पर कोई वस्तु या पानी न हो। बच्चों और बुजुर्गों के लिए सीढ़ी चढ़ते समय विशेष सावधानी रखें। दरवाजों और खिड़कियों को मजबूत और सुरक्षित रखें ताकि दुर्घटना से बचा जा सके। खासकर बच्चों से जुड़ी जगहों पर इनकी निगरानी रखें किसी भी दुर्घटना के समय मदद के लिये आपातकालीन

# आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका



नंबर (जैसे एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड) की जानकारी रखें। परिवार के सभी सदस्य आपातकालीन योजनाओं से अवगत रहें। इन उपायों से घर में होने वाली दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सकता है और सुरक्षित वातावरण बनाया जा सकता है और परिवार नियोजन के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा देते हुए बताया की परिवार नियोजन का उद्देश्य परिवार के आकार को नियंत्रित करना और स्वस्थ जीवन जीने के लिए उचित समय पर संतान की योजना बनाना है। यह एक व्यक्ति या जोड़े को अपने बच्चों की संख्या और उनकी अवधियों को नियंत्रित करने में मदद करता है। परिवार नियोजन से जुड़े विभिन्न तरीके होते हैं, जिनमें प्राकृतिक, चिकित्सा और अन्य विधियां शामिल हैं।

परिवार नियोजन के प्राकृतिक तरीको के बारे बताते हुए कहा की गणना विधि इस विधि में महिला के मासिक धर्म चक्र को ध्यान में रखकर यह अनुमानित किया जाता है कि गर्भाधारण के लिए सबसे उपयुक्त समय कौन सा है। सार्वजनिक अवकाश विधि इस विधि में पुरुष यौन संबंध के दौरान अपने वीर्य को योनि में न छोड़ने का प्रयास करते हैं। और कंडोम एक सामान्य और सुरक्षित गर्भ निरोधक तरीका है जो पुरुषों द्वारा प्रयोग किया जाता है।

महिलाओं को मौखिक

गर्भनिरोधक गोलियां दी जाती हैं जो गर्भाधारण से बचने के लिए हार्मोनल रूप से काम करती हैं और आईयूडी एक छोटी डिवाइस होती है जो महिला के गर्भाशय में डाली जाती है और यह गर्भाधारण को रोकती है।

गर्भनिरोधक इंजेक्शन भी एक हार्मोनल तरीका है जो महिला के शरीर में गर्भाधारण से बचाने के लिए एक इंजेक्शन के रूप में दिया जाता है। स्त्री नसबंदी एक स्थायी तरीका है जिसमें महिला की फेलोपियन ट्यूबों को बांध दिया जाता है, ताकि अंडाणु और शुक्राणु मिल न सकें। पुरुष नसबंदी पुरुषों के लिए स्थायी तरीका है, जिसमें वीर्य वाहिका को काट दिया जाता है और परिवार नियोजन के इन तरीकों को अपनाकर महिला और पुरुष दोनों के स्वास्थ्य को अच्छा रखा जा सकता है क्योंकि अनियंत्रित गर्भाधारण से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।

आर्थिक स्थिति पर भी प्रभाव पड़ता है जब परिवार का आकार नियंत्रण में होता है, तो आर्थिक स्थिति बेहतर होती है और बच्चों की अच्छी देखभाल की जा सकती है। परिवार नियोजन महिलाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान करने में मदद करता है, क्योंकि वे पहले से योजना बना सकती हैं कि कब और कितने बच्चे होने चाहिए। परिवार नियोजन न केवल

परिवार के लिए बल्कि समाज और देश के विकास के लिए भी आवश्यक है। यह स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में मदद करता है और वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा देते हुए बताया की वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए विभिन्न उपायों का पालन करना चाहिए जो वेक्टर (जैसे- मच्छर, टिक या पलंग) की संख्या को नियंत्रित करने और मानव संपर्क को कम करने पर आधारित होते हैं। मच्छरों से बचने के लिए मच्छरदानी का उपयोग करना, खासकर मलेरिया जैसी बीमारियों वाले क्षेत्रों में कीटनाशक छिड़काव-घरों और समुदायों में कीटनाशक छिड़काव करना, जिससे वयस्क वेक्टर मर जाते हैं, लार्वा नियंत्रण: पानी के स्रोतों में लार्वा को मारने के लिए रासायनिक उपचार करना (जैसे मच्छरों के लार्वा को मारने के लिए), स्थिर पानी को नष्ट करना, घास और झाड़ियों को साफ करना ताकि वेक्टर के प्रजनन स्थल कम हों, प्राकृतिक शिकारी जैसे मच्छर लार्वा खाने वाले मछलियों को पानी में डालना, त्वचा और कपड़ों पर डीईईटी आधारित या अन्य अनुमोदित कीट विकर्षक का उपयोग करना चाहिए, लंबी आस्तीन की शर्ट और पैट पहनना, ताकि वेक्टर से संपर्क कम हो, खिड़कियों और

दरवाजों में जाल लगवाना और दरारों को सील करना, ताकि मच्छर घर में न आ सकें। मच्छरदानी में सोना, खासकर रात के समय मच्छरों से बचाव के लिये वेक्टर की जनसंख्या और रोगों के प्रकोप को ट्रैक करना, ताकि उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों और जनसंख्याओं की पहचान की जा सके। वेक्टर जनित बीमारियों के प्रकोप की पहचान करना और जल्दी से रोकथाम के उपायों को लागू करना। लोगों को वेक्टर जनित बीमारियों के जोखिम और रोकथाम के उपायों के बारे में जागरूक करना, जैसे कि पानी में ठहरे पानी को हटाना और कीट विकर्षक का उपयोग करना।

स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और पानी को शुद्ध करने के उपायों को बढ़ावा देना, कुछ रोगों, जैसे- डेंगू और पीले बुखार, के लिए टीके उपलब्ध हैं, जो संक्रमण से बचाव में सहायक होते हैं, प्रौद्योगिकी का उपयोग करके वेक्टर जनित बीमारियों के फैलाव को नियंत्रित करने के लिए वेक्टर की जनसंख्या को कम या उन्हें संक्रमण फैलाने से रोकने के लिए आनुवंशिक रूप से संशोधित करना, कीटों की प्रतिरोधक क्षमता को ध्यान में रखते हुए नए और प्रभावी कीटनाशकों का शोध। इन उपायों को मिलाकर, मलेरिया, डेंगू, जीका, चिकनगुनिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियों के फैलाव को महत्वपूर्ण रूप से कम किया जा सकता है।





# आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

## भ्रमण एवं निरीक्षण

## महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर



गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज) की व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए प्रो. अजय सिंह



गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज के हॉस्पिटल में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को देखकर प्रो. सिंह ने खुशी जताते हुए कहा कि एम्स भोपाल, गोरखपुर और इस मेडिकल कॉलेज के हॉस्पिटल के साझा प्रयास से मरीजों को और भी उत्कृष्ट सुविधाएं दी जा सकती हैं।

प्रो. सिंह ने कहा कि आने वाले समय में एम्स भोपाल व गोरखपुर गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज के मेडिकल, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ व विद्यार्थियों को नई तकनीकों का प्रशिक्षण उपलब्ध कराएंगे। प्रशिक्षण के बाद इसका लाभ सीधे तौर और मरीजों को मिलेगा।

एम्स निदेशक के निरीक्षण के दौरान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने उन्हें बताया कि लाइव आसीयू सेवा के लिए मेदांता हॉस्पिटल भी गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज से जुड़ चुका है। इस मेडिकल कॉलेज में क्रिटिकल मरीजों के उपचार प्रारंभ है। साथ ही 24 घंटे सर्जरी इमरजेंसी भी संचालित है। कुलपति ने बताया कि बीते कुछ दिनों में यहां जटिल कैंसर की दो

दिनांक 19 दिसम्बर, 2024 | अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल के निदेशक एवं एम्स गोरखपुर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. अजय सिंह ने गुरुवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर का भ्रमण एवं निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने खास तौर पर गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च

सेंटर (गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज) की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और उपलब्ध सुविधाओं को उत्कृष्ट बताया। प्रो. अजय सिंह ने कहा कि एम्स भोपाल और गोरखपुर इस मेडिकल कॉलेज के साथ मिलकर पूर्वांचल के मरीजों को बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे।

एम्स भोपाल के निदेशक महायोगी गोरखनाथ

विश्वविद्यालय के परिसर और कार्य संस्कृति को देखकर काफी प्रभावित हुए और मुक्त कंठ से इसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के साथ मिलकर काम करना नई उपलब्धियों को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने कहा कि एम्स भोपाल और गोरखपुर के द्वारा गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज को लाइव आसीयू सेवाएं दी जाएंगी।

सर्जरी भी सफलतापूर्वक की जा चुकी है। इसके साथ ही यहां 18 बेड की डायलिसिस यूनिट भी संचालित है।

एम्स निदेशक प्रो. सिंह के आगमन पर महायोगी गोरखनाथ

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद सिंह कुशवाहा और आयुर्वेद कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम ने उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर नर्सिंग व पैरामेडिकल संकाय की अधिष्ठाता डॉ. डी.एस. अजीथा, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, कृषि विज्ञान संकाय के

अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल के विभागाध्यक्ष डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव, फार्मसी विभाग के हेड डॉ. शशिकांत सिंह, कॉमर्स के विभागाध्यक्ष डॉ. तरुण श्याम आदि मौजूद रहें।

### शैक्षणिक भ्रमण



जल संयंत्र की जानकारी लेती हुई नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं

दिनांक 20 दिसम्बर, 2024 को रामगढ़ ताल रामपुर, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में स्थित जल संयंत्र का भ्रमण महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने किया। यह कॉलेज की तरफ से शैक्षणिक भ्रमण रहा, इसमें

जीएनएम प्रथम वर्ष की कुल 50 छात्राएं एवं दो शिक्षिकाएं (मिस प्रज्ञा मिश्रा और मिस शक्ति) शामिल रहीं।

विश्वविद्यालय से संयंत्र तक की कुल दूरी 18 किलोमीटर रही, छात्राओं को जल संयंत्र के प्रभारी अनुराग श्रीवास्तव और

### गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

प्रबंधक हनुमंत उपाध्याय ने कुछ महत्त्वपूर्ण जानकारियां दी, जिसमें सबसे पहले छात्राओं को जल संयंत्र के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कराया गया। उनको वहां के कुल संयंत्र प्रयोगशाला, प्रतिदिन कुल जल के सफाई का लागत, जल संयंत्र के विभिन्न तरीके, स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े लाभ, वातावरण की सफाई-सफाई इत्यादि से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि सीवेज जल उपचार के लिए क्लोरीनीकरण अथवा अन्य कई केमिकल्स का इस्तेमाल करते हुए मुख्य रूप से चार तरीके अपनाए जाते हैं। भौतिक, जैविक, रसायन और किचड़ जल उपचार इन तरीकों का पालन करके उचित जल की

सभी दूषित पदार्थों को सूक्ष्म जीव से रहित किया जाता है और उपचार जल में परिवर्तित किया जाता है, जो मानव उपयोग और पर्यावरण दोनों के लिए सुरक्षित होता है। उन्होंने यह भी बताया कि गोरखपुर क्षेत्र में दो सीवेज उपचार संयंत्र का निर्माण किया गया है जिसमें एक सूर्यकुंड में स्थित है। सरकार द्वारा प्रति वर्ष इसके लिए 66 लाख रुपए प्रदान किये जाते हैं, जिसमें से 6000 रुपये प्रति मिली. प्रतिदिन का लागत है। अंत में वह कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुविधाएं हेतु पीपीई किट, दवाइयां, आपातकालीन प्रोटोकॉल, कर्मचारियों की संख्या तथा उपकरणों इत्यादि के इस्तेमाल की जानकारियां दी।

### स्वास्थ्य परीक्षण



ओंकारनगर, सोनबरसा, बालापार में नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं द्वारा आयोजित क्लिनिक में स्वास्थ्य परीक्षण किया गया

दिनांक 20 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ

विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं

पैरामेडिकल संकाय में बेसिक बीएससी नर्सिंग पांचवीं सेमेस्टर

में अध्ययनरत कुल 30 छात्राओं ने चार शिक्षिकाओं (मिस खुशबू,





मिस गरिमा, मिस हर्षिता और मिस श्रद्धा) के मार्गदर्शन में ओंकारनगर, सोनबरसा, बालापार गोरखपुर में विभिन्न आयु वर्ग के (पांच वर्ष से कम, वयस्क, बुजुर्ग, प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर माता) लिए विभिन्न क्लीनिक का आयोजन किया।

इसमें कुल आयु वर्ग में लगभग 30-35 लोग उपस्थित थे। जिसमें उन्होंने पांच वर्ष से कम आयु में (मानवमितीय माप जैसे उनकी ऊंचाई, वजन, सिर की परिधि, छाती की परिधि, मध्य ऊपरी भुजा की परिधि, पेट की परिधि का आकलन किया), वयस्कों और बड़े में (शारीरिक परीक्षण जैसे सिर से पैर तक सामान्य परीक्षण और विभिन्न शारीरिक प्रणालियों में परिवर्तन से संबंधित प्रणालीगत परीक्षण), गर्भवती महिलाओं में (प्रसवपूर्व तथा प्रसवोत्तर में बॉडी मास इंडेक्स और शारीरिक परीक्षण के सभी घटकों का आकलन तथा पेरिनियम का परीक्षण) किया साथ ही पर्याप्त आहार पद्धति, जीवनशैली में बदलाव और व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा भी दी।

उन्होंने बच्चों को शिक्षा दी की, कभी भी हाथ धोने की आदत डालें खाने से पहले, बाथरूम

जाने के बाद, बाहर खेलकर आने के बाद और किसी बीमारी के लक्षण महसूस होने पर हाथ अच्छे से धोने चाहिए। पानी का उपयोग करें, हाथों को कम से कम 20 सेकंड तक धोना चाहिए इससे कीटाणु और बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। दांतों को दो बार ब्रश करें सुबह उठने के बाद और रात में सोने से पहले दांतों को अच्छे से ब्रश करना चाहिए। दांतों को गोल-गोल घुमाकर और नीचे-ऊपर की दिशा में ब्रश करें। हर दिन कम से कम एक बार स्नान करें ताकि शरीर पर जमा गंदगी और पसीना हट सके। स्वच्छ और सूती कपड़े पहनने से शरीर में खुजली और इंफेक्शन की संभावना कम रहती है। लंबे नाखून गंदगी और बैक्टीरिया को जमा करने का कारण बन सकते हैं। नाखूनों को नियमित रूप से काटना चाहिए। हमेशा स्वच्छ पानी पिएं, ताजे और साफ खाद्य पदार्थों का सेवन करें। कच्ची सब्जियां या फल खाने से पहले उन्हें अच्छी तरह से धोकर खाएं। बच्चे को हमेशा स्वच्छ और सूती कपड़े पहनाने चाहिए ताकि उनका शरीर स्वस्थ रहे। जूते साफ और सूखे रखें ताकि फंगल इंफेक्शन से बचा जा सके। बालों को हफ्ते में कम से

कम दो बार धोना चाहिए और उन्हें अच्छे से कंधी करनी चाहिए ताकि वे साफ और स्वस्थ रहें। बच्चों को समय पर सोने, संतुलित आहार लेने और नियमित व्यायाम करने की आदत डालनी चाहिये, और बुजुर्गों को स्वास्थ्य शिक्षा देते हुए बताया कि बुजुर्गों का स्वास्थ्य उनके शारीरिक और मानसिक भलाई के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। सही आहार और व्यक्तिगत स्वच्छता के द्वारा वे अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं और जीवन को गुणवत्ता से भरपूर जी सकते हैं। नीचे बुजुर्गों के लिए आहार और स्वच्छता से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण जानकारी दी, बुजुर्गों के लिए सही आहार लेना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ शरीर की पोषण संबंधी आवश्यकताएं बदल जाती हैं। एक अच्छा आहार उन्हें ऊर्जा, रोग प्रतिकारक क्षमता और मानसिक स्पष्टता प्रदान करता है। बुजुर्गों को प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर भोजन खाना चाहिए। हरी सब्जियाँ, फल, अनाज और डेयरी उत्पादों का सेवन महत्वपूर्ण है। मांस, मछली, अंडे, दाल और सोया उत्पाद जैसे प्रोटीन स्रोत शामिल करें। प्रोटीन मांसपेशियों की सेहत के लिए जरूरी होता है फलों, सब्जियों और साबुत अनाज से फाइबर प्राप्त करें, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखता है और कब्ज जैसी समस्याओं से बचाता है। ओमेगा-3 फैटी, सिड्स से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे मछली, अखरोट और जैतून का तेल उपयोग करें, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं।

बुजुर्गों को सही मात्रा में पानी पीना चाहिए, क्योंकि उम्र बढ़ने के

साथ शरीर में पानी की कमी होने की संभावना बढ़ जाती है। नमक और चीनी का सेवन सीमित करें। अधिक नमक हृदय और रक्तचाप के लिए हानिकारक हो सकता है और गर्भवती और प्रसवोत्तर माताओं के लिए पोषण, जीवनशैली में सुधार और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व को समझाना बेहद महत्वपूर्ण है। पोषण पैटर्न में उन्हें संतुलित आहार लेने की सलाह दी गई, जिसमें प्रोटीन (दूध, दालें, अंडे), आयरन (हरी पत्तेदार सब्जियां), कैल्शियम (दूध, पनीर) और फोलिक एसिड (फल, अनाज) को शामिल करने के लिए बोला। इसके अलावा, आयरन और कैल्शियम की गोलियाँ नियमित रूप से लेने की सलाह दी गई, तले-भुने और जंक फूड से बचने के लिए भी कहा।

गर्भवती माताओं को शारीरिक गतिविधि में हल्के व्यायाम या रोजाना टहलने की सलाह दी, साथ ही उनको बताया कि पर्याप्त आराम और नींद भी बहुत जरूरी होता है। मानसिक तनाव को कम करने के लिए ध्यान और गहरी सांस लेने की तकनीकें अपनानी चाहिए। व्यक्तिगत स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए, जैसे कि नियमित स्नान करना, हाथ धोने की आदत डालना, दांतों की सफाई करना और प्रसवोत्तर देखभाल में टांकों की सफाई करना। यह सभी उपाय न केवल माँ के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखते हैं, बल्कि शिशु के विकास और संक्रमण से बचाव में भी मदद करते हैं। इस तरह से, सही पोषण, जीवनशैली में सुधार और स्वच्छता अपनाकर आप स्वस्थ रह सकती हैं और अपने शिशु को एक स्वस्थ जीवन दे सकती हैं।

### स्वास्थ्य परीक्षण

### गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग



ओंकारनगर, सोनबरसा, बालापार में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण करती नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं

दिनांक 21 दिसम्बर, 2024 को महायात्री गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सयुक्त तत्वाधान में बेसिक बीएससी नर्सिंग सातवें सेमेस्टर की कुल 30 छात्राओं एवं चार शिक्षिकाओं (सुश्री खुशब, सुश्री गरिमा, सुश्री हर्षिता और सुश्री श्रद्धा) के मार्गदर्शन में ओंकारनगर, सोनबरसा, बालापार, गोरखपुर में विभिन्न आयु वर्ग के (पांच वर्ष से कम, वयस्क) बुजुर्ग, प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर माता) लिए विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया। यह वहां छात्राओं द्वारा आयोजित दूसरा क्लिनिक रहा इसमें कुल आयु वर्ग में लगभग 40-50 लोग उपस्थित थे। जिसमें उन्होंने पांच वर्ष से कम आयु में (मानवमितीय माप जैसे उनकी ऊंचाई, वजन, सिर की परिधि, छाती की परिधि, मध्य ऊपरी भुजा की परिधि, पेट की परिधि का आकलन किया), वयस्कों और बड़े में (शारीरिक परीक्षण जैसे सिर से पैर तक सामान्य परीक्षण और विभिन्न

शारीरिक प्रणालियों में परिवर्तन से संबंधित प्रणालीगत परीक्षण), गर्भवती महिलाओं में (प्रसवपूर्व तथा प्रसवोत्तर में बॉडी मास इंडेक्स और शारीरिक परीक्षण के सभी घटकों का आकलन तथा पेरिनियम का परीक्षण) किया साथ ही पर्याप्त आहार पद्धति, जीवनशैली में बदलाव और व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा भी दी।

उन्होंने बच्चों को शिक्षा दी की, कभी भी खाने से पहले हाथ धोने की आदत डालें, बाथरूम जाने के बाद, बाहर खेलकर आने के बाद और किसी बीमारी के लक्षण महसूस होने पर हाथ अच्छे से धोने चाहिए। पानी का उपयोग करें, हाथों को कम से कम 20 सेकंड तक धोना चाहिए इससे कीटाणु और बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। दांतों को दो बार ब्रश करें सुबह उठने के बाद और रात में सोने से पहले दांतों को अच्छे से ब्रश करना चाहिए। दांतों को गोल-गोल घुमाकर और नीचे-ऊपर की दिशा में ब्रश करें। हर दिन कम से कम एक बार स्नान करें ताकि शरीर पर जमा गंदगी और पसीना हट सके। स्वच्छ

और सूती कपड़े पहनने से शरीर में खुजली और इंफेक्शन की संभावना कम रहती है। लंबे नाखून गंदगी और बैक्टीरिया को जमा करने का कारण बन सकते हैं। नाखूनों को नियमित रूप से काटना चाहिए। हमेशा स्वच्छ पानी पिएं, ताजे और साफ खाद्य पदार्थों का सेवन करें। कच्ची सब्जियां या फल खाने से पहले उन्हें अच्छी तरह से धोकर खाएं। बच्चे को हमेशा स्वच्छ और सूती कपड़े पहनाने चाहिए ताकि उनका शरीर स्वस्थ रहें। जूते साफ और सूखे रखें ताकि फंगल इंफेक्शन से बचा जा सके। बालों को हफ्ते में कम से कम दो बार धोना चाहिए और उन्हें अच्छे से कंघी करनी चाहिए ताकि वे साफ और स्वस्थ रहें। बच्चों को समय पर सोने, संतुलित आहार लेने और नियमित व्यायाम करने की आदत डालनी चाहिये और बुजुर्गों को स्वास्थ्य शिक्षा देते हुए बताया कि बुजुर्गों का स्वास्थ्य उनके शारीरिक और मानसिक भलाई के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। सही आहार और व्यक्तिगत स्वच्छता के द्वारा वे अपनी सेहत को बेहतर बना

सकते हैं और जीवन को गुणवत्ता से भरपूर जी सकते हैं। नीचे बुजुर्गों के लिए आहार और स्वच्छता से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण जानकारी दी। बुजुर्गों के लिए सही आहार लेना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ शरीर की पोषण संबंधी आवश्यकताएं बदल जाती हैं। एक अच्छा आहार उन्हें ऊर्जा, रोग प्रतिकारक क्षमता और मानसिक स्पष्टता प्रदान करता है। बुजुर्गों को प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर भोजन खाना चाहिए। हरी सब्जियां, फल, अनाज और डेयरी उत्पादों का सेवन महत्वपूर्ण है। मांस, मछली, अंडे, दाल और सोया उत्पाद जैसे प्रोटीन स्रोत शामिल करें। प्रोटीन मांसपेशियों की सेहत के लिए जरूरी होता है फलों, सब्जियों, और साबुत अनाज से फाइबर प्राप्त करें, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखता है और कब्ज जैसी समस्याओं से बचाता है। ओमेगा-3 फैटी एसिड्स से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे मछली, अखरोट और जैतून का तेल उपयोग करें, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं। बुजुर्गों को सही मात्रा में पानी पीना चाहिए, क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ शरीर में पानी की कमी होने की संभावना बढ़ जाती है। नमक और चीनी का सेवन सीमित करें। अधिक नमक हृदय और रक्तचाप के लिए हानिकारक हो सकता है और गर्भवती और प्रसवोत्तर माताओं के लिए पोषण, जीवनशैली में सुधार और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व को समझाना बेहद महत्वपूर्ण है। पोषण पैटर्न में उन्हें संतुलित आहार लेने की सलाह दी गई,



# आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

जिसमें प्रोटीन (दूध, दालें, अंडे), आयरन (हरी पत्तेदार सब्जियां), कैल्शियम (दूध, पनीर) और फोलिक एसिड (फल, अनाज) को शामिल करने के लिए बोला। इसके अलावा, आयरन और कैल्शियम की गोलियाँ नियमित रूप से लेने की सलाह दी गई,

तले-भुने और जंक फूड से बचने के लिए भी कहा।

गर्भवती माताओं को शारीरिक गतिविधि में हल्के व्यायाम या रोजाना टहलने की सलाह दी, साथ ही उनको बताया कि पर्याप्त आराम और नींद भी बहुत जरूरी होता है। मानसिक तनाव को कम

करने के लिए ध्यान और गहरी सांस लेने की तकनीकें अपनानी चाहिए। व्यक्तिगत स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए, जैसे कि नियमित स्नान करना, हाथ धोने की आदत डालना, दांतों की सफाई करना। यह सभी उपाय न केवल माँ के स्वास्थ्य को बेहतर

बनाए रखते हैं बल्कि शिशु के विकास और संक्रमण से बचाव में भी मदद करते हैं। इस तरह से सही पोषण जीवनशैली में सुधार और स्वच्छता अपनाकर आप स्वस्थ रह सकती हैं और अपने शिशु को एक स्वस्थ जीवन दे सकती हैं।

## मिशन शक्ति चरण-5 : व्याख्यान



## फार्मसी संकाय



मिशन शक्ति फेज 5 के तहत 'फार्मसी में महिलाएं रुढ़ियों को तोड़ते हुए भविष्य को गढ़ते हुए' विषय पर सम्बोधित करती हुई सुश्री जूही तिवारी

दिनांक 21 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरखानाथ विश्वविद्यालय में आज एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जहां फार्मसी की छात्राओं को मिशन शक्ति फेज 5 के तहत 'फार्मसी में महिलाएं रुढ़ियों को तोड़ते हुए भविष्य को गढ़ते हुए' विषय पर मार्गदर्शन दिया गया। मुख्य वक्ता के रूप में

सुश्री जूही तिवारी रहीं।

इस व्याख्यान में सुश्री पुजा जायसवाल, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, श्री प्रवीन कुमार सिंह, श्री दिलीप मिश्रा, श्री दिपक कुमार, श्री पियूष आनंद ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

व्याख्यान में सुश्री तिवारी ने फार्मसी क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका और उनके योगदान पर

प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे महिलाएं इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं और नई-नई खोजों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांति ला रही हैं। उन्होंने छात्राओं को प्रोत्साहित किया कि वे अपने सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करें और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करें।

मिशन शक्ति फेज 5 के तहत आयोजित इस व्याख्यान का उद्देश्य छात्राओं को प्रेरित करना और उन्हें फार्मसी क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों के बारे में जागरूक करना था। व्याख्यान कार्यक्रम में फार्मसी संकाय की छात्राओं ने बढ़चढ़ के भाग लिया जिनमें श्वेता, अंजु, अकिता, रूपा, साधना पल्लवी, अकिता उपस्थित रहीं।

## राष्ट्रीय किसान दिवस



ग्रामीणों के साथ कृषि संकाय के विद्यार्थी

## कृषि संकाय

कुमार दुबे के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के निकट स्थित ग्रामीण क्षेत्र में 'किसानों से वार्तालाप व कृषि जागरूकता' कार्यक्रम का आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए स्नातक कृषि विज्ञान तृतीय वर्ष के छात्र व प्रतिनिधि अनिकेत मल्ल ने किसानों को कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचार से अवगत कराया और वर्तमान में चल रहे प्राकृतिक खेती व टिकाऊ खेती जैसे विषयों से अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने किसानों से वार्तालाप कर उनकी समस्याओं को समझा व उनके निवारण हेतु सुझाव दिया साथ ही भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे 'राष्ट्रीय किसान दिवस' के अवसर पर कृषि संकाय द्वारा 20 गरीब किसानों को गोद लिया गया और यह प्रण लिया गया कि किसानों के विकास हेतु उन्हें समयानुसार कृषि संबंधित जानकारी व उपकरण प्रदान

दिनांक 23 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरखानाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के

अंतर्गत संचालित कृषि संकाय में 'राष्ट्रीय किसान दिवस' के अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. विमल

किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्नातक इस राष्ट्रीय किसान दिवस कृषि विज्ञान तृतीय वर्ष के छात्र

सुमित सिंह, अनुभाव सिंह, विकेक पटेल व अन्य पाण्डेय, वैष्णवी सिंह, आशुतोष उपस्थित रहें।

### मिशन शक्ति चरण-5 : व्याख्यान



छात्रों को सम्बोधित करती हुई डॉ. अंकिता मिश्रा

दिनांक 23 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में मिशन शक्ति चरण-5 के अंतर्गत 'संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर' के विषय पर कार्यक्रम

का आयोजन किया। जिसमें डॉ. अंकिता मिश्रा ने छात्रों को संबोधित किया।

उन्होंने बताया कि एलाइड हेल्थ साइंसेज एक मेडिकल स्ट्रीम है जो मरीजों की जांच, निदान और तकनीकी और सहायता सेवाएं प्रदान करती है। स्वास्थ्य परामर्श, आहार संबंधी

### संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

सलाह, आत्मसात करना, नमूना लेना और संग्रह करना (उदाहरण के लिए, रक्त नमूना लेना), स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन और पुनर्वास आदि उनकी कुछ गतिविधियों में शामिल हैं।

संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं के लिए अपार रोजगार के अवसर है। आज के इस दौर में महिलाओं ने क्लिनिकल पैथोलॉजी लैब से लेकर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन तक महिलाएं बाधाओं को तोड़ नई अपनी पहचान बना रही है।

उसके साथ वह यह भी बोली की संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं के लिए सहायक प्रोफेसर, वैज्ञानिक,

खाद्य सुरक्षा अधिकारी, औषधि निरीक्षक, पेटेंट और डिजाइन के परीक्षक, वैज्ञानिक अधिकारी, कृषि अधिकारी, गुणवत्ता नियंत्रक, खाद्य विश्लेषक, बायोकेमिस्ट, माइक्रोबायोलॉजिस्ट, बायोप्रोसेस मैनेजर और आरएंडडी के रोजगार उपलब्ध है।

संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. पवन कुमार कन्नौजिया, डॉ. अबैद्यनाथ, डॉ. धीरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. कीर्ति कुमार यादव, डॉ. किरण कुमार, धनंजय पांडेय, श्री आशुतोष श्रीवास्तव, श्रीमती रश्मी झा, सृष्टि यदुवंशी एवं सभी शिक्षक उपस्थित रहें।

### प्रकृति परीक्षण अभियान



प्रकृति परीक्षण के दौरान सांसद श्री रविकिशन शुक्ल जी के साथ विद्यार्थी

दिनांक 24 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज के चिकित्सकों और राष्ट्रीय सेवा योजना के अष्टावक्र इकाई के स्वयंसेवक बीएएमएस विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग द्वारा पूरे देश में

अट्टारह वर्ष से ऊपर सभी नागरिकों को आयुर्वेद से जोड़ने के लिए संचालित प्रकृति परीक्षण अभियान के अन्तर्गत, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखनाथ मंदिर काम्प्लेक्स, जल निगम नौका विहार, गोरखपुर शहर, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज चिकित्सालय उल्लिखित स्थानों

### गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर नागरिकों का स्वास्थ्य परामर्श देते हुए प्रकृति परीक्षण करके ऑनलाइन प्रमाण-पत्र प्रदान किया। आयुर्वेदिक प्रकृति परीक्षण अभियान को प्रोत्साहित करते हुए गोरखपुर के माननीय सांसद श्री रविकिशन शुक्ल ने भी अपना प्रकृति परीक्षण करवाया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने अवगत कराया कि प्रकृति परीक्षण आयुर्वेद के मुताबिक, किसी व्यक्ति की मनो-शारीरिक स्थिति को वर्गीकृत करने की एक नियमावली के साथ एक युक्ति है। इस परीक्षण में, व्यक्ति की प्रकृति को जानने के लिए बारह प्रश्नों का जवाब देना होता है। इसके बाद, एक विशेषज्ञ

कार्यकर्ता क्यूआर कोड स्कैन करके व्यक्ति का प्रकृति बताते हैं और स्वस्थ जीवनशैली के आयुर्वेद पद्धति के अनुसार परामर्श देते हैं। इस परीक्षण के बाद, व्यक्ति को एक ऑनलाइन कार्ड प्रदान किया जाता है। जिसमें वात-पित्त-कफ के प्रभाव से जुड़ी जानकारी होती है। साथ ही, रिपोर्ट में खान-पान, दिनचर्या और नींद लेने का सही समय जैसी जानकारी भी दी जाती है।

इस अभियान में प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. गोपीकृष्ण, डॉ. मिनी, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. वैशाख, डॉ. किरण रेड्डी, डॉ. संध्या पाठक, डॉ. विष्णु आदि सभी चिकित्सक, बीएएमएस विद्यार्थी और एनएसएस अष्टावक्र इकाई के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

### पोषण कार्यक्रम



### गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग



नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में जीएनएम प्रथम वर्ष की छात्राओं द्वारा आयोजित पोषण कार्यक्रम



दिनांक 24 दिसम्बर, 2024 को महायात्री गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में जीएनएम प्रथम वर्ष में अध्ययनरत कुल 25 छात्राओं ने पंच गुण में अपने पोषण प्रभारी शिक्षिकाओं (मिस काजल, मिस सारिका, मिस नन्शी, मिस प्रिया पाठक और मिस मानसी) के मार्गदर्शन में पोषण कार्यक्रम का आयोजन किया।

जिसमें उन्होंने विभिन्न आहार पर आधारित जैसे प्रसव पूर्व आहार, (मेथी पराठा, खीर, चना दाल), डैश आहार (मिश्रित सब्जी, चुकंदर का रस, सलाद) संतुलित आहार (दाल चावल

रोटी सब्जी सलाद), प्रोटीन युक्त आहार (राजमा सब्जी चपाती, ओट्स भोजन, मूंग अंकुरित मिक्स चाट), स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए आहार (मेथी पराठा पोहा, दूध पिलाने वाली माँ के लिए खिचड़ी-आहार से संबंधित अलग-अलग प्रकार के खाद्य पदार्थ तैयार किये। उन्होंने कॉलेज में उपस्थित उप प्राचार्य (श्रीमती प्रिंसी जॉर्ज) एवं सभी प्राध्यापकों के समक्ष एवी एड्स की सहायता से सभी पोषक मूल्यों, विभिन्न स्रोतों और हमारे स्वास्थ्य के लिए इसके महत्व के बारे में भी बताया।

उन्होंने बताया की, गर्भावस्था के दौरान ऐसा आहार लेना जरूरी है जो शिशु और मां दोनों

के स्वास्थ्य को बनाए रखे। इसमें पोषक तत्वों से भरपूर भोजन शामिल होना चाहिए। जैसे- मेथी पराठा आयरन और फाइबर प्रदान करता है, जो एनीमिया से बचाता है। खीर कैल्शियम और ऊर्जा का अच्छा स्रोत है, जो हड्डियों के विकास में सहायक है। चना दाल प्रोटीन का मुख्य स्रोत है, जो शिशु के अंगों के विकास के लिए जरूरी है और संतुलित आहार के बारे में बताते हुई कहा की संतुलित आहार वह है जिसमें सभी पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन और खनिज सही मात्रा में हों। इसमें दाल, चावल, रोटी, सब्जी, और सलाद शामिल हैं।

दाल प्रोटीन और फाइबर प्रदान करती है, चावल और रोटी ऊर्जा देते हैं, जबकि सब्जी और सलाद विटामिन, खनिज और फाइबर से भरपूर होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं और डैश डाइट के बारे में बताया की डैश डाइट उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए बनाया गया आहार है। इसमें सोडियम की मात्रा कम और फाइबर, पोटैशियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम की मात्रा अधिक

होती है। इसमें मिक्सड वेजिटेबल, चुकंदर का जूस और सलाद जैसे खाद्य पदार्थ शामिल होते हैं।

मिक्सड वेजिटेबल विटामिन और खनिज प्रदान करती है, चुकंदर का जूस पोटैशियम से भरपूर होता है जो रक्तचाप नियंत्रित करता है और सलाद पाचन सुधारने और शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। प्रोटीन युक्त आहार पर स्वास्थ्य शिक्षा देते हुए कहा की प्रोटीन हमारे शरीर के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण पोषक तत्व है, जो शरीर के ऊतकों के निर्माण, मरम्मत और संरचनाओं के लिए आवश्यक होता है।

यह शरीर के कोशिकाओं, मांसपेशियों, हड्डियों और एंजाइम्स के निर्माण में मदद करता है। प्रोटीन की कमी से शरीर कमजोर हो सकता है और शरीर की विभिन्न कार्य प्रणालियाँ प्रभावित हो सकती हैं, लैक्टेटिंग (दूध पिलाने वाली) माँ के लिए सही आहार बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे न केवल उनकी सेहत पर प्रभाव पड़ता है, बल्कि बच्चे की सेहत और विकास पर भी इसका असर होता है।

### प्रकृति परीक्षण अभियान



प्रकृति परीक्षण अभियान के दौरान प्राचार्य, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी

दिनांक 25 दिसम्बर, 2024 को महायो गी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज् आयुर्वेद कॉलेज और राष्ट्रीय सेवा योजना के अष्टावक्र इकाई के बीएएमएस विद्यार्थियों, स्वयंसेवकों और चिकित्सकों ने नागरिकों के वृहद

प्रकृति परीक्षण अभियान का संचालन किया। आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि आज गोरखनाथ चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज रोड पर गिरिजाघर, नौका विहार, चिड़िया घर गोरखपुर, भौवापार गांव पर विभिन्न समूहों

### गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज्

में एनएसएस स्वयंसेवकों, बीएएमएस विद्यार्थियों और चिकित्सकों ने नागरिकों का प्रकृति परीक्षण कर के स्वस्थ जीवनशैली हेतु आयुर्वेदिक परामर्श प्रदान किए। इस प्रकृति परीक्षण अभियान के अन्तर्गत विगत एक माह से विभिन्न गांवों, कस्बों जैसे मानीराम, सोनबरसा, बालापार, महुआतर चौराहा, गोरखपुर जनपद के विभिन्न चौराहों पर विद्यालयों में निःशुल्क चिकित्सा और प्रकृति परीक्षण शिविर लगाया गया है।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. शांति भूषण ने कहा कि प्रकृति परीक्षण आयुर्वेद में एक प्रमुख नैदानिक दृष्टिकोण है। जिसका उद्देश्य तीन दोषों—वात, पित्त और कफ के आधार पर किसी व्यक्ति के प्राकृतिक संविधान को समझना

है। यह व्यक्तिगत मूल्यांकन आहार, जीवनशैली और उपचारों को शामिल करते हुए अनुकूलित स्वास्थ्य सेवा के लिए महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय ने कहा कि व्यक्ति के शारीरिक वात पित्त, कफ में संतुलन बनाए रखने, बीमारियों को रोकने और समग्र कल्याण को बढ़ाने के लिए व्यक्ति के प्रकृति अनुसार आहार—विहार आवश्यक है। यह प्राचीन अभ्यास स्थायी जीवन के लिए व्यक्तिगत स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देता है।

प्रकृति परीक्षण अभियान में आयुर्वेद कॉलेज के सभी चिकित्सकों, बीएएमएस विद्यार्थियों और राष्ट्रीय सेवा योजना के अष्टावक्र इकाई के समस्त स्वयंसेवकों की भूमिका रही।

### पोषण कार्यक्रम



खाद्य पदार्थों का अवलोकन करते हुए माननीय कुलपति एवं प्राचार्य

दिनांक 26 दिसम्बर, 2024 को महायो गी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में जीएनएम प्रथम वर्ष में अध्ययनरत कुल 25 छात्राओं ने

पांच समूहों में अपने पोषण प्रभारी शिक्षिकाओं (मिस साक्षी प्रजापति, मिस निधि पासवान, मिस ज्योति वर्मा, मिस अभय प्रजापति, मिस गरिमा चौधरी) के मार्गदर्शन में पोषण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

### गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से हमारे माननीय मुख्य अतिथि डॉ. सुरिन्द्र सिंह (माननीय कुलपति) डॉ. डी.एस. अजीथा, प्राचार्य नर्सिंग कॉलेज, तथा श्रीमती प्रिंसी जॉर्ज, उप प्राचार्य नर्सिंग कॉलेज भी शामिल रहें। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने विभिन्न आहार पर आधारित जैसे लो फैट डाइट, लस मुक्त आहार, मधुमेह आहार, लौह समृद्ध आहार, विटामिन, समृद्ध विभिन्न खाद्य पदार्थ तैयार किए और उन्होंने अपने द्वारा तैयार किए गए विभिन्न खाद्य पदार्थों के महत्व और लाभों के बारे में एवी एड्स के माध्यम से बताया जैसे—लो फैट डाइट, इस डाइट में वसा की मात्रा कम होती है और यह हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखने,

वजन कम करने और कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण में मदद करती है। इसमें ऐसे खाद्य पदार्थ शामिल होते हैं जो कम वसा वाले होते हैं, जैसे (पंपकिन सूप, कद्दू, जिसमें विटामिन और फाइबर का अच्छा स्रोत माना जाता है का उपयोग कर इसे तैयार किया जाता है। यह हल्का और पौष्टिक होता है, (बनाना और स्ट्रॉबेरी स्मूदी, केले और स्ट्रॉबेरी को कम वसा वाले दूध या दही के साथ मिलाकर बनाई गई यह स्मूदी ऊर्जा और पोषण का बेहतर विकल्प है), (मिक्सड वेजिटेबल इडली, सूजी या चावल के आटे से बनी यह इडली सब्जियों के साथ तैयार की जाती है, जो हल्की और पाचन में आसान होती है), साथ ही में ग्लूटेन फ्री डाइट के बारे में



# आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

बताया की इस डाइट में ऐसे खाद्य पदार्थ शामिल होते हैं जो ग्लूटेन नामक प्रोटीन से मुक्त होते हैं। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद होती है जो सीलिएक रोग या ग्लूटेन असहिष्णुता से ग्रसित हैं। इसमें खाद्य पदार्थ जैसे (रोस्टेड बटरनट गार्लिक बिस्क, बटरनट स्क्वाश और लहसुन को भूनकर बनाया गया यह सूप न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि इसमें विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स भी भरपूर मात्रा में होते हैं), (एवोकाडो, टोमेटो और कॉर्न सालसा, एवोकाडो, टमाटर और मक्के के दानों को मिलाकर तैयार यह सालसा ग्लूटेन मुक्त हल्का और पोषण से भरपूर होता है), (ओट्स मील, ग्लूटेन फ्री ओट्स का उपयोग करके यह नाश्ता तैयार किया जाता है, जो फाइबर और ऊर्जा का अच्छा स्रोत है)

शामिल होते हैं। मधुमेह आहार के बारे में बताते हुए कहा की मधुमेह रोगियों के लिए उपयुक्त आहार ऐसा होना चाहिए जो कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला हो और रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करे।

इस आहार में पालक पराठा, सलाद और भरवां करेला शामिल हैं। पालक पराठा कम कैलोरी और फाइबर से भरपूर होता है, जिससे ऊर्जा स्थिर बनी रहती है। सलाद ताजगी के साथ-साथ पोषक तत्व प्रदान करता है। भरवां करेला में करेला की कड़वाहट शुगर कंट्रोल में मदद करती है और यह इंसुलिन की संवेदनशीलता को बढ़ाने में सहायक है आयरन युक्त आहार एक महत्वपूर्ण आहार होता है क्योंकि आयरन की कमी से एनीमिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं, इसलिए इस आहार में

राजमा चावल, पालक पराठा, और ड्राई फ्रूट्स लड्डू शामिल किए जाते हैं। राजमा और चावल का संयोजन आयरन और प्रोटीन प्रदान करता है। पालक पराठा आयरन और फोलिक एसिड का अच्छा स्रोत है। ड्राई फ्रूट्स लड्डू, खजूर और नट्स से भरपूर होते हैं, जो हीमोग्लोबिन बढ़ाने में मदद करते हैं। अंत में आखिरी ग्रुप ने विटामिन। युक्त आहार के महत्व के बारे में बताया की विटामिन। दृष्टि स्वास्थ्य और इम्यूनिटी के लिए आवश्यक है। इस आहार में गाजर का हलवा, पनीर पकोड़े और पालक पकोड़े शामिल हैं। गाजर का हलवा स्वादिष्ट होने के साथ-साथ विटामिन और बीटा-कैरोटीन का अच्छा स्रोत है। पनीर और पालक पकोड़े कैल्शियम और आयरन के साथ विटामिन भी प्रदान करते हैं। यह आहार त्वचा और बालों

को भी स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। यह सारे डाइट स्वास्थ्य के अलग-अलग पहलुओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की जाती हैं और इनका स्वाद और पौष्टिकता भी अद्वितीय होता है।

कार्यक्रम के अंत में माननीय कुलपति ने कहा कि सभी छात्राओं द्वारा समग्र प्रस्तुति उत्कृष्ट थी और भोजन बहुत अच्छा और स्वादिष्ट तैयार किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि छात्राओं के साथ-साथ शिक्षिकाओं ने भी कड़ी मेहनत की है। मेरी यही कामना होगी आप सब से कि आप सब इस तरह कड़ी मेहनत करते रहें जिसके द्वारा आपका और आपके विश्वविद्यालय का नाम रोशन हो सके और मैं आपके भविष्य के लिए भी शुभकामनाएं देना चाहता हूं तथा सभी को मेरी तरफ से धन्यवाद।

## मिशन शक्ति योजना : व्याख्यान

## गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग



विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. संदीप श्रीवास्तव

दिनांक 26 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मिशन शक्ति योजना द्वारा आयोजित व्याख्यान विषय रक्षा क्षेत्र में महिलाओं के रोजगार की संभावना विषय पर एनसीसी

अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में महिलाओं के लिए अनंत स्वर्णिम द्वार खुले हुए हैं। आत्मस्वयं शक्ति, कुशल नेतृत्व और देश सेवा का संकल्प रक्षा क्षेत्र का मूल है। महिलाओं ने घर की चार

दिवारी को लांघ कर अब रक्षा क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश सेवा में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

व्याख्यान में कैडेट्स और विद्यार्थियों को सैन्य सेवा में रोजगार की संभावना पर प्रोत्साहित करते हुए डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में महिलाओं की भूमिका एक समय तक सीमित थी, लेकिन पिछले कुछ दशकों में महिलाओं के लिए विभिन्न सैन्य सेवाओं में प्रवेश के अवसर बढ़े हैं। आज, महिलाएं भारतीय सैन्य बलों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं और उनकी भूमिका न केवल युद्धक गतिविधियों तक सीमित है, बल्कि वे रणनीतिक निर्णय लेने

में भी शामिल हैं। भारतीय सेना में पहले महिलाओं की नियुक्त चिकित्सा सेवाएं प्रशासनिक और सहायक कार्यों में होती थी।

1992 से भारतीय सेना में महिला अधिकारियों को प्रशासनिक, चिकित्सा, कानूनी और इंजीनियरिंग शाखाओं में अफसर के तौर पर नियुक्त किया गया। 2020 में भारत सरकार ने महिलाओं को स्थायी कमीशन देकर अनंत स्वर्णिम अवसरों के द्वार खोल दिया है। आज भारतीय सेना में महिलाएं न केवल प्रशासनिक कार्यों में बल्कि युद्धक भूमिकाओं में भी कार्यरत हैं। भारतीय सेना में महिलाएं अब सेनाएं वायुसेनाएं और नौसेना के अलावा भी विभिन्न महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। महिलाएं

अब भारतीय सेना के प्रमुख अभियानों, युद्धों और संकटों में भी भाग ले रही हैं। सैन्य सेवाओं से महिलाओं को न केवल एक पेशेवर वातावरण देकर आत्मनिर्भर बनने के लिए भी प्रेरित करता है। भारतीय सेना में प्रतिष्ठित महिला अधिकारियों और सैनिकों ने सैन्य अभियानों में सम्मिलित होकर अपने शौर्य, अदम्य साहस से देश को गौरावित किया है। रक्षा क्षेत्र में मेडिकल विंग्स, लॉ, प्रशासनिक,

इंजीनियरिंग, आर्म्स और सर्विसेज, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, वायु सेना में लड़ाकू पायलट, नेवी पायलट के लिए स्वयं को तैयार कर सकती हैं।

डॉ. संदीप ने वीर बाल दिवस की सभी विद्यार्थियों को शुभकामना दिया। कार्यक्रम का संचालन अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने किया। आयोजन में मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी डॉ. इंदु सिंह ने शुभकामना दिया। व्याख्यान में

प्रमुख रूप से डॉ. अखिलेश दुबे, डॉ. प्रेरणा अदिति, डॉ. अंकिता दीक्षित, डॉ. शाश्वती प्रेम कुमारी, डॉ. प्रीति पाण्डेय, जूही तिवारी, डॉ. पूजा सरदार निगड़े ने छात्राओं का उत्साह वर्धन किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कैडेट उजाला सिंह, अतीका तिवारी, अनुराधा, दुर्गावती, खुशी, रिशु कुमारी, सुप्रिया शर्मा, संजीवनी जायसवाल, रीमा गुप्ता, गुड़िया कुशवाहा, ममता भारती, रिशु

सिंह, आयुषी गुप्ता, कशिश भारती, आशीष मिश्रा, रोहित सिंह, प्रीति प्रजापति, मेधा, अल्पना, रिया राय, सिद्धि, अदिति चौधरी, शीतल सिंह, सोनी शाही, निक्की, अंकिता कुमारी, कुमारी अर्पिता राय सहित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, कृषि संकाय, पैरामेडिकल विभाग, फार्मेशी, नर्सिंग और आयुर्वेद विभाग के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहें।

### मिशन शक्ति योजना : व्याख्यान

### गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग



जीएनएम की छात्राओं को सम्बोधित करती हुई मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी प्राची यादव

दिनांक 28 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में मिशन शक्ति चरण-5 के अंतर्गत 'नर्सिंग में विभिन्न अवसर' पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में नर्सिंग कॉलेज की सभी शिक्षिकाएं एवं जीएनएम प्रथम वर्ष की कुल 89 छात्राएं उपस्थित रही। मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी प्राची यादव ने छात्राओं को 'नर्सिंग में विभिन्न अवसर' के बारे में बताते हुए कहा कि इस मिशन के माध्यम से आज मैं नर्सिंग क्षेत्र में उपलब्ध विशाल और रोमांचक रोजगार के अवसरों पर बात करना चाहती

हूँ। जैसा कि हम सभी जानते हैं, नर्सिंग एक महान पेशा है, जिसमें समर्पण, करुणा और उच्च गुणवत्ता वाली रोगी देखभाल के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है नर्सिंग पेशे में बढ़ती मांग, वर्तमान समय में कुशल नर्सों की मांग पहले से कहीं अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि 2035 तक वैश्विक स्तर पर 12.9 मिलियन नर्सों की कमी होगी। यह कमी नर्सों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में पुरस्कृत करियर बनाने का एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करती है। नर्सिंग के विभिन्न प्रकार हैं जैसे—क्लिनिकल नर्स स्पेशलिस्ट बाल चिकित्सा, ऑन्कोलॉजी या कार्डियोलॉजी जैसे विशेष क्षेत्रों में विशेषज्ञ

देखभाल प्रदान करना, नर्स प्रैक्टिशनर रोगियों की प्राथमिक और विशेष देखभाल करना, जिसमें बीमारियों का निदान और उपचार शामिल है, नर्स शिक्षक नर्सिंग छात्रों को पढ़ाना और उनका मार्गदर्शन करना, ताकि अगली पीढ़ी की नर्सों को तैयार किया जा सके, नर्स शोधकर्ता अध्ययन करना और डेटा एकत्र करना, ताकि रोगी के परिणामों में सुधार किया जा सके और नर्सिंग के क्षेत्र को आगे बढ़ाया जा सके, यात्रा नर्स, विभिन्न स्थानों पर अस्थायी असाइनमेंट पर काम करना, नई जगहों का अनुभव लेना और अलग-अलग संस्कृतियों को समझना।

नर्सिंग कार्यस्थल के बारे में भी

बटाया जैसा अस्पताल आपातकालीन विभाग, गहन देखभाल या बाल चिकित्सा जैसे विभिन्न विभागों में कार्य करना। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जरूरतमंद समुदायों को प्राथमिक देखभाल सेवाएं प्रदान करना, दीर्घकालिक देखभाल सुविधाएं बुजुर्ग या विकलांग रोगियों की देखभाल करना और उनकी गुणवत्ता को बनाए रखना, होम हेल्थकेयर, रोगियों को उनके घर में चिकित्सा देखभाल और सहायता प्रदान करना। अंत में उन्होंने नर्सिंग में उभरते रुझान के बारे में बताया जो इस प्रकार है। टेलीहेल्थ प्रौद्योगिकी का उपयोग करके दूरस्थ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना, व्यक्तिगत चिकित्सा रोगियों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार देखभाल प्रदान करना, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोगियों के परिणामों में सुधार करने और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक कुशल बनाने के लिए एआई का उपयोग।

नर्सिंग में रोजगार के अवसर व्यापक और विविध हैं, जो सभी के लिए कुछ न कुछ पेश करते हैं। चाहे आप क्लिनिकल प्रैक्टिस, शिक्षा, शोध या नेतृत्व में रुचि रखते हों, नर्सिंग पेशे में आपके लिए एक स्थान अवश्य है।



### पोषण कार्यक्रम



पोषण कार्यक्रम में बनाए गए खाद्य पदार्थों की प्रस्तुति देती छात्राएं

### गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग



दिनांक 28 दिसम्बर, 2024 को महायागी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में जीएनएम प्रथम वर्ष में अध्ययनरत कुल 25 छात्राओं ने पांच ग्रुप में अपने पोषण प्रभारी शिक्षिकाओं (मिस विनीता प्रजापति, मिस निधि राय, मिस सिमरन, मिस हर्षिता, मिस गरिमा पांडे) के मार्गदर्शन में पोषण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में सभी संकाय सदस्य भी शामिल रहे। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने विभिन्न आहार पर आधारित जैसे- कम कार्बोहाइड्रेट आहार (खिचड़ी, सलाद, पनीर पकोड़ा) कम प्रोटीन आहार (मसूर दाल, सलाद, पुलाव), गुर्दे की पथरी के रोगी के लिये (लौकी का हलवा, चपाती, गोभी की पराठे), एनीमिक रोगी के लिए (आहार-पालक पकोड़े, चुकंदर का रस) कम कार्बोहाइड्रेट आहार) पालक पकोड़ा, फूलगोभी पकोड़ा, मूंगफली मसाला विभिन्न खाद्य पदार्थ तैयार किए और उन्होंने अपने द्वारा तैयार किए गए

विभिन्न खाद्य पदार्थों के महत्व और लाभों के बारे में एवी एड्स के माध्यम से बताया जैसे लो कार्बोहाइड्रेट डाइट एक ऐसा आहार है जिसमें कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा को कम किया जाता है, जैसे रोटी, चावल, आलू और मिठाइयाँ इस आहार में अधिक प्रोटीन और स्वस्थ वसा का सेवन बढ़ाया जाता है। यह डाइट वजन घटाने, रक्त शर्करा नियंत्रण और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को सुधारने में मदद कर सकती है और उन्होंने लो कार्बोहाइड्रेट डाइट के लाभ के बारे में भी बताया, लो कार्बोहाइड्रेट डाइट शरीर के वसा को जलाने में मदद करती है, जिससे वजन घटता है। यह डाइट ब्लड शुगर और इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है, जो मधुमेह के रोगियों के लिए फायदेमंद है, यह डाइट रक्त में ट्राइग्लिसराइड्स और एलडीएल (खराब कोलेस्ट्रॉल) को कम कर सकती है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है, शरीर में कार्बोहाइड्रेट्स की कमी के बाद शरीर वसा को ऊर्जा के रूप में उपयोग करता है, जिससे

दिनभर की ऊर्जा स्तर में सुधार हो सकता है और कम प्रोटीन आहार के बारे में बताते हुई कहा की प्रोटीन शरीर के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण पोषक तत्व है, जो शरीर की कोशिकाओं और ऊतकों के निर्माण, मरम्मत और विकास में मदद करता है। हालांकि कुछ स्वास्थ्य स्थितियों में, जैसे किडनी रोग, यकृत रोग या कुछ मेटाबोलिक विकारों में, डॉक्टर की सलाह पर कम प्रोटीन आहार की आवश्यकता हो सकती है किडनी रोग में प्रोटीन का अधिक सेवन किडनी पर दबाव डाल सकता है। कम प्रोटीन आहार से किडनी को आराम मिलता है और उसकी कार्यक्षमता को बनाए रखने में मदद मिलती है। यकृत से संबंधित समस्याओं में भी कम प्रोटीन आहार फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि यकृत प्रोटीन को पचाने और उसका मेटाबोलिज्म करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुछ मेटाबोलिक विकारों में, जैसे संधिवात या फेनिलकेटोन्यूरिया कम प्रोटीन आहार को अपनाना होता है और किडनी स्टोन या पथरी एक सामान्य समस्या है

जिसमें किडनी में कैल्शियम, ऑक्सेलेट्स, यूरिक एसिड या फॉस्फेट्स जैसे तत्व जमा होकर ठोस कणों के रूप में बदल जाते हैं। इन पत्थरों के आकार और प्रकार के आधार पर उपचार में भिन्नताएँ हो सकती हैं। किडनी स्टोन को रोकने और उनके पुनः बनने से बचने के लिए आहार पर विशेष ध्यान देना आवश्यक सबसे महत्वपूर्ण कदम पर्याप्त पानी पीना है। हर दिन 2.5-3 लीटर पानी पीने से पेशाब अधिक होगा, जिससे किडनी स्टोन के बनने का खतरा कम होता है। गर्मी के मौसम में और शारीरिक सक्रियता के दौरान अधिक पानी पीने की आवश्यकता होती है। अधिक नमक खाने से किडनी पर दबाव बढ़ सकता है और स्टोन का जोखिम भी बढ़ सकता है। इसलिए, अपने आहार में नमक की मात्रा कम रखें। प्रोसेस्ड और पैक खाद्य पदार्थों में सोडियम की मात्रा अधिक होती है, इसलिए उनका सेवन सीमित करें। किडनी स्टोन के कुछ प्रकार कैल्शियम के जमा होने से बनते हैं।

हालांकि, कैल्शियम का सेवन पूरी तरह से बंद नहीं करना

चाहिए। शरीर के लिए कैल्शियम आवश्यक है और यह हड्डियों और दांतों के लिए लाभकारी होता है कैल्शियम की उचित मात्रा को आहार के माध्यम से प्राप्त करें, जैसे दही, दूध और हरी पत्तेदार सब्जियाँ ऑक्सेलेट्स, जो कुछ खाद्य पदार्थों में पाए जाते हैं, किडनी स्टोन के गठन में योगदान कर सकते हैं। इन्हें किडनी स्टोन के रोगियों को नियंत्रित मात्रा में सेवन करना चाहिए ऐसे खाद्य पदार्थों में

पालक, चुकंदर, चाय और चॉकलेट शामिल हैं।

ज्यादा प्रोटीन, खासकर मांसाहार, से यूरिक एसिड का स्तर बढ़ सकता है, जो किडनी स्टोन का कारण बन सकता है, अधिक पशु प्रोटीन की बजाय पौधों से प्राप्त प्रोटीन का सेवन करना बेहतर होता है, जैसे दाल, फलियाँ और बीन्स। फाइबर से भरपूर आहार किडनी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। ताजे फल, सब्जियाँ, साबुत

अनाज और दालें इसमें शामिल करना चाहिए ये आहार पाचन को बेहतर बनाते हैं और शरीर से अवांछित पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। नींबू में साइट्रिक एसिड होता है, जो किडनी स्टोन को बनने से रोकने में मदद करता है। आप नींबू पानी का सेवन कर सकते हैं, जिससे किडनी में मौजूद कैल्शियम और ऑक्सेलेट्स का संयोग टूट जाता है। अधिक वसा और चीनी का सेवन शरीर में अतिरिक्त

कैल्शियम और अन्य तत्वों के जमा होने का, कारण बन सकता है, जिससे किडनी स्टोन का खतरा बढ़ता है। तले हुए भोजन, मीठे पेय पदार्थों और शक्कर से परहेज करें, अल्कोहल और अत्यधिक कैफीन वाले पेय पदार्थों का सेवन किडनी के लिए हानिकारक हो सकता है। हो सकता है।

इस कार्यक्रम में नर्सिंग कॉलेज की प्राध्यापकों सहित एएनएम की छात्राएं उपस्थित रहीं।

### उन्नति फाउंडेशन



उन्नति फाउंडेशन का आयोजन

दिनांक 28 दिसम्बर, 2024 को महायात्री गोरखानाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में एएनएम

प्रथम वर्ष में अध्ययनरत 100 छात्राओं द्वारा उन्नति फाउंडेशन (समापन समारोह) का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथि

### गुरु श्री गोरक्षानाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, उप प्राचार्या श्रीमती प्रिंसी जॉर्ज, सॉफ्ट स्किल ट्रेनर श्री शिवानंद त्रिपाठी एवं सभी नर्सिंग संकाय के स्वागत और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। एएनएम प्रथम वर्ष की छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं गणेश वंदना के साथ अपने कार्यक्रम की शुरुआत की।

सभी विद्यार्थियों द्वारा कई कार्यक्रम जैसे उन्नति क्लैपिन, एकल एवं समूह नृत्य, गीत, शायरी प्रस्तुत की गई। कुछ छात्राओं (सोनाली पांडे, शालिनी शर्मा, पूनम भारती, मेनका यादव) ने अपने व्यक्तिगत अनुभव वहां के सम्मानित सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षक के साथ साझा किए।

अंत में एएनएम प्रथम वर्ष बैच की सह समन्वयक सुश्री प्रज्ञा मिश्रा ने माननीय सॉफ्ट स्किल ट्रेनर को धन्यवाद दिया और श्री शिवानंद त्रिपाठी, सॉफ्ट स्किल ट्रेनर ने अपने भाषण में कहा कि यह केवल कौशल प्रशिक्षण का शुरुआत है और साथ ही यह भी सलाह दी कि वे कैसे अपने कौशल को विकसित कर सकते हैं और जीवन में कैसे सफलता प्राप्त कर सकते हैं तथा कार्यक्रम के अंत में मिस मानशी पांडे (क्लीनिकल इंस्ट्रक्टर) ने सभी माननीय मुख्य अतिथियों को धन्यवाद दिया और कार्यक्रम का समापन वन्देमातरम और प्रतिज्ञान के साथ हुआ।

### इन-सर्विस शिक्षा



सम्बोधित करती हुई सुमिता त्रिपाठी

### गुरु श्री गोरक्षानाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

दिनांक 28 दिसम्बर, 2024 को महायात्री गोरखानाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में सुमिता त्रिपाठी (नर्सिंग ट्यूटर) द्वारा संकायों के लिए स्त्री रोग संबंधी मूल्यांकन संबंधित विषय पर इन-सर्विस शिक्षा का आयोजन किया गया। इसमें उन्होंने मूल्यांकन के विभिन्न तरीकों के बारे में बताया, जिनका उपयोग रोगी के

प्रभावी उपचार के लिए किया जाना होता है।

उन्होंने स्त्री रोग संबंधी मूल्यांकन के दौरान नर्सिंग में इतिहास लेने की रणनीतियों के बारे में बताया है और उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रकार की परीक्षाएँ होती हैं, जिनमें स्तन स्व-परीक्षा भी शामिल है, उन्होंने पेट की जांच, दर्द का आकलन और पैल्विक जांच की प्रक्रिया के बारे में बताया और बताया कि



# आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

जांच चार चरणों में की जा सकती है जिसमें निरीक्षण, स्पर्श, टक्कर और श्रवण शामिल है, स्त्री रोग संबंधी जांच में महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य का आकलन भी शामिल है, जो किसी

संक्रमण, बीमारी या असामान्यता का पता लगाने में मदद करती है। यह जांच मासिक धर्म की समस्याएं, गर्भधारण से जुड़ी जटिलताएं, प्रजनन स्वास्थ्य और कैंसर जैसे गंभीर रोगों का समय

पर निदान करने के लिए महत्वपूर्ण है। इसमें मेडिकल हिस्ट्री लेना, शारीरिक जांच, स्पेकुलम और बाइमैन्शनल परीक्षण, और आवश्यकता अनुसार अल्ट्रासाउंड या पैप

स्मीयर जैसी प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। नियमित जांच महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने और गंभीर समस्याओं को रोकने में सहायक होती है।

## साइबर क्राइम : व्याख्यान



विद्यार्थियों को साइबर क्राइम के प्रति सम्बोधित करती श्रीमती अंकिता दीक्षित

दिनांक 28 दिसम्बर, 2024 को महायोगी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में मिशन शक्ति चरण-5 के अंतर्गत आयोजित व्याख्यान "महिलाओं के

प्रति साइबर अपराध" विषय पर अध्यापिका अंकिता दीक्षित ने कहा कि महिलाओं के प्रति साइबर अपराध एक गंभीर समस्या है जो तेजी से बढ़ रही है। इसके अंतर्गत इंटरनेट, सोशल मीडिया, ईमेल

## महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग कर महिलाओं को परेशान करना और धमकिया देना, निजी जानकारी चुराना और अश्लील सामग्री प्रसारित करना आम हो गया है।

व्याख्यान में विद्यार्थियों को साइबर क्राइम के तहत महिलाओं के प्रति अपराध विषय पर अध्यापिका अंकिता दीक्षित ने कहा कि आज के डिजिटल युग में साइबर क्राइम महिलाओं के लिए बढ़ती हुई चुनौती बन गया है इंटरनेट और सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग ने जहां जीवन को आसान बनाया है वहीं महिलाओं के साइबर अपराधों कि घटनाओं में भी वृद्धि हुई इन अपराधों में शामिल है। साइबर

स्टॉकिंग, मॉर्फिंग, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग, फिशिंग और धोखाधड़ी महिलाओं के सुरक्षा के लिए कई कड़े कानून लागू किये गये हैं। आईटी एक्ट-2000 और भारतीय दण्ड संहिता के तहत ऐसे अपराधों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान है।

आयोजन में मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी डॉ. इंदु सिंह ने शुभकामना दिया। व्याख्यान में पैरामेडिकल संकाय के शिक्षकगण सुप्रिया गुप्ता, आंकाक्षा दीक्षित, अभिनव सिंह राठौर, अनुप मिश्रा, विशालदीप, जयशंकर पाण्डेय, संदीप शर्मा, सजीव विश्वकर्मा, धीरज कुमार एवं पैरामेडिकल संकाय के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर



शिविर के दौरान माननीय कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, डॉ. भाबातोष विश्वास, डॉ. डी.एस. अजीथा, मेडिकल स्टॉफ एवं विद्यार्थी

दिनांक 29 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय बालापार के

दिग्विजयनाथ चिकित्सालय में आयोजित निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में 258 पीड़ित लाभान्वित

## दिग्विजयनाथ चिकित्सालय



हुए। निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन महायोगी गोरखनाथ

विश्वविद्यालय गोरखपुर, आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर और गुरु श्री गोरक्षनाथ

# आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका



चिकित्सालय, गोरखनाथ मंदिर परिसर, गोरखपुर द्वारा किया गया। शिविर का उद्घाटन कार्डियक सर्जन और पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. भाबातोष विश्वास और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, गोरखनाथ चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. हिमांशु दीक्षित और नर्सिंग प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा ने गुरु गोरक्षनाथ जी के मूर्ति पर पुष्प अर्पण और मंगलाचरण कर किया। नेत्र सर्जन डॉ. संतोष तिवारी एवं डॉ. रेनु गुप्ता के नेतृत्व में मरीजों की निःशुल्क जांच कर निःशुल्क नेत्र शल्य और

निःशुल्क दवायें प्रदान किया गया। निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर के उद्घाटन पश्चात अतिथि डॉ. भाबातोष विश्वास और कुलपति प्रो सुरिंदर सिंह ने गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के आईसीयू, डायलिसिस, ब्लड यूनिट विभाग, फार्मेशी यूनिट के व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। सभी यूनिट्स का निरीक्षण करने के बाद मेडिकल टीम को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों के प्रति कृत संकल्पित है। ऐसे में हम सभी का दायित्व है मरीजों की सेवा ईश्वरीय सेवा के भाव से करें।

जिससे यहां आने वाला हर मरीज स्वास्थ्य लाभ लेकर जाए। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने उन्हें बताया कि लाइव आसीयू सेवा के लिए मेदांता हॉस्पिटल भी गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज से जुड़ चुका है। इस मेडिकल कॉलेज में क्रिटिकल मरीजों के उपचार प्रारंभ है। साथ ही 24 घंटे सर्जरी इमरजेंसी भी संचालित है। कुलपति ने बताया कि बीते कुछ दिनों में यहां जटिल कैंसर की दो सर्जरी भी सफलतापूर्वक की जा चुकी है। इसके साथ ही यहां 18 बेड की डायलिसिस यूनिट भी संचालित है। डॉ. डॉ. भाबातोष विश्वास ने चिकित्सालय की व्यवस्था पर

संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि हॉस्पिटल उच्च स्तरीय चिकित्सक उपकरण से लैस है। लगातार डॉक्टर्स मरीजों के लिए उपलब्ध है और त्वरित समर्पण भाव से मरीजों की सेवा कर रहे हैं जिसका अच्छा परिणाम देखने को मिल रहा है। हम सभी को मिलजुल कर आपसी सामंजस्य स्थापित कर मरीजों के सेवा का संकल्प लेना होगा। शिविर के आयोजन में महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय, फैंकल्टी ऑफ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की टीम ने सहयोग किया।

## मिशन शक्ति फेज-5 : व्याख्यान



विद्यार्थियों को सम्बोधित करती डॉ. शाश्वती प्रेमकुमारी

दिनांक 30 दिसम्बर, 2024 को विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ संचालित कृषि संकाय में मिशन

## कृषि संकाय

शक्ति फेज-5 के तहत डॉ. शाश्वती प्रेमकुमारी ने 'जेन्डर इक्वीलीटी एण्ड एजुकेशन' विषयक पर व्याख्यान देते हुए विद्यार्थियों को लैंगिक समानता के प्रति जागरूक किया। उन्होंने अपने व्याख्यान में भारतीय स्नातन परंपरा को उद्धृत करते हुए कहा कि वैदिक कल में स्त्री व पुरुष को समाज में एक समान अधिकार प्राप्त था, पुरुषों के समान महिलाएं भी शस्त्र व शास्त्र विधा में निपुण थी, कालांतर में

स्थिति में परिवर्तन हुआ व समाज पुरुष प्रधान हो गया। लेकिन अब शिक्षा व जागरूकता के माध्यम से महिलाएं सामाजिक बेड़ियों को तोड़ते हुए जीवन के हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं, आज महिलाएं सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक रूप से सशक्त हैं, और प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषों के समान कार्य कर रही हैं। इस व्याख्यान के दौरान कृषि संकाय के समस्त विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

## मिशन शक्ति फेज-5 : व्याख्यान

दिनांक 31 दिसम्बर, 2024 को गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में बीएएमएस प्रथम प्रोफेशन नागार्जुन बैच के विद्यार्थियों के लिए मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। चिकित्सा क्षेत्र में महिलाओं का योगदान और महिला स्वास्थ्य में आयुर्वेद की भूमिका विषय पर डॉ. प्रीति पाण्डेय ने कहा कि

महिला स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद में पहल करना इतना महत्वपूर्ण क्यों है। फिर उन्होंने कुछ नई चिकित्सा पद्धतियों, उपचार हेतु नए प्रोटोकॉल, ऑन्कोलॉजी उपचार पर आयुर्वेद के प्रभाव के बारे में बात की। नीति में अभी भी ऐसे बदलाव करने की जरूरत है, जिससे चिकित्सा क्षेत्र में महिलाओं के योगदान और महिला स्वास्थ्य में आयुर्वेद की भूमिका को बढ़ावा मिल सके।

## गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज



विद्यार्थियों को सम्बोधित करती डॉ. प्रीति पाण्डेय



# आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

## मिशन शक्ति फेज-5 : व्याख्यान

## फार्मसी संकाय



मिशन शक्ति चरण-5 के अंतर्गत आयोजित व्याख्यान में विद्यार्थियों को सम्बोधित करती मिस जुही तिवारी

दिनांक 31 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फार्मसी संकाय में एक व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया, जिसमें स्वतंत्रता में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता मिस जुही तिवारी रहीं। इस व्याख्यान के दौरान फार्मसी संकाय के फैंकल्टी मिस पूजा जयसवाल, मिस नंदिनी जयसवाल, श्री पियूष आनंद, श्री दीपक कुमार

एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह भी उपस्थित रहें। मिस जुही तिवारी ने अपने व्याख्यान में स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने घर-घर जाकर लोगों को जागरूक किया, धन संग्रह किया और कई बार तो सीधे तौर पर भी लड़ाई लड़ी। उन्होंने उदाहरण देते हुए रानी

लक्ष्मीबाई, सरोजिनी नायडू और अन्य महिला क्रांतिकारियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के बलिदानों को कभी भुलाया नहीं जा सकता है और उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं में रूपांशी कुमारी, सिमरन, पल्लवि त्रिपाठी, मनीषा कुमारी एवं अनमिका पांडे ने भी स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में भाषण दिया। छात्राओं ने अपने भाषणों के

माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान को उजागर किया। उन्होंने उन महिलाओं के साहस और बलिदान को याद किया जिन्होंने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी।

इस व्याख्यान सत्र ने छात्राओं को स्वतंत्रता की कहानी को बेहतर ढंग से समझने और स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर प्रदान किया।





### दिसम्बर माह की मुख्य बैठकें

11 दिसम्बर  
2024

योगीराज बाबा गंभीरनाथ अतिथि गृह के कार्यालय कक्ष में आयोजित विश्वविद्यालय के वित्तीय मामले की बैठक का कार्यवृत्त/पीपीटी प्रस्तुति।

कार्यसूची-1

विश्वविद्यालय के वित्तीय मामले के प्रस्तुतीकरण पर विचार।

निर्णय

प्रस्तुति के दौरान माननीय कुलपति द्वारा निम्नलिखित सुझाव दिए गए।

हमारे दायित्वों के सापेक्ष राजस्व में वृद्धि कैसे हो इस पर ध्यान केन्द्रित किया जाना चाहिए।

लेखा प्रबंधन में प्रौद्योगिकी को अपनाया जाना चाहिए तथा उसका उपयोग किया जाना चाहिए।

मैनुअल के स्थान पर सॉफ्टवेयर पर कार्य किया जाना चाहिए।

दूसरे, तीसरे तथा चौथे वर्ष की फीस प्रथम वर्ष की भांति सॉफ्टवेयर पर जमा की जानी चाहिए।

सॉफ्टवेयर पर कार्य प्रारंभ होने तक नियमित रूप से फीस स्टेटमेंट तैयार की जाएगी, जिसमें भुगतान की गई फीस तथा देय फीस का विवरण होगा।

16 दिसम्बर  
2024

योगीराज बाबा गंभीरनाथ अतिथि गृह के अधिकारी कक्ष में आयोजित नैक एवं आईक्यूएसी की बैठक का कार्यवृत्त/पीपीटी प्रस्तुति।

कार्यसूची-1

विश्वविद्यालय के नैक, आईक्यूएसी के प्रस्तुतीकरण पर विचार।

निर्णय

प्रस्तुति के दौरान माननीय कुलपति द्वारा निम्नलिखित सुझाव दिए गए।

एनईपी-2020 के आलोक में विजन एवं मिशन तैयार किया जाए।

विश्वविद्यालय का विजन एवं मिशन, मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय के विजन एवं मिशन के अनुरूप तैयार किया जाए।

प्रस्तुति में वर्षवार प्रतिशत दर्शाएं।

एपीक्यूआर नैक की आवश्यकता है, इसलिए एपीक्यूआर तैयार किया जाए।

परिणाम विश्लेषण एवं छात्रों के प्रदर्शन प्रगति समीक्षा के मुद्दे पर तत्काल कार्रवाई शुरू की जाए।

मानदंडवार दस्तावेजीकरण पर तत्काल कार्रवाई शुरू की जाए।

छात्रों एवं अभिभावकों से फीडबैक प्राप्त किया जाए।

नामांकन में छात्रों की संख्या बढ़ाई जाए।

शोध प्रकाशन की संख्या बढ़ाई जाए।

नैक एवं आईक्यूएसी की बैठकें मासिक आधार पर आयोजित की जाएं।

सभी एमओयू सक्रिय स्थिति में किए जाएं।



18 दिसम्बर  
2024

योगीराज बाबा गंभीरनाथ अतिथि गृह के कार्यालय कक्ष में आयोजित डीन, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान की बैठक/पीपीटी प्रस्तुति का कार्यवृत्त।

### कार्यसूची-1

विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की प्रस्तुति पर विचार।

प्रस्तुतीकरण के दौरान माननीय कुलपति महोदय द्वारा निम्नलिखित सुझाव दिए गए।

हमारा ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि हमारी देनदारियों के सापेक्ष राजस्व में किस प्रकार वृद्धि की जाए।

लेखा प्रबंधन में प्रौद्योगिकी को अपनाया जाना चाहिए तथा उसका उपयोग किया जाना चाहिए।

मैनुअल के स्थान पर सॉफ्टवेयर पर कार्य किया जाना चाहिए।

दूसरे, तीसरे तथा चौथे वर्ष की फीस प्रथम वर्ष की भांति सॉफ्टवेयर पर ही जमा की जानी चाहिए।

सॉफ्टवेयर पर कार्य प्रारंभ होने तक नियमित रूप से फीस स्टेटमेंट तैयार की जाएगी, जिसमें भुगतान की गई फीस तथा देय फीस का विवरण होगा।

17 दिसम्बर  
2024

योगीराज बाबा गंभीरनाथ अतिथि गृह के कार्यालय कक्ष में आयोजित नर्सिंग विभागाध्यक्ष की बैठक का कार्यवृत्त/पीपीटी प्रस्तुति।

### कार्यसूची-1

विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज के प्रेजेंटेशन पर विचार।

### निर्णय

युगपुरुष परम पूज्य महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन परम पूज्य महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के साथ-साथ माननीय कुलाधिपति परम पूज्य योगी आदित्य नाथ जी महाराज एवं प्रति कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह जी की पीपीटी स्लाइड तैयार कर प्रदर्शित की जाए।

क्रिटिकल केयर पर व्याख्यान देने के लिए प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाए।

प्रवेश में विद्यार्थियों की प्रथम से तृतीय वरीयता को डेटा में शामिल किया जाए।

नर्सिंग विभाग द्वारा तैयार फीडबैक प्रारूप को विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों, संकायों एवं विभागों में लागू किया जाए।

प्रत्येक कॉलेज, संकाय एवं विभाग में अभिभावकों की फीडबैक मुद्रित पुस्तिका के रूप में प्राप्त की जाए।

फोटोग्राफ के नीचे कार्यक्रम का नाम एवं तिथि लिखी जाए।

नैक के उद्देश्य से सभी फोटोग्राफ्स को जियोटैग किया जाना चाहिए।

विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों का डाटा तैयार किया जाना चाहिए तथा वे कहां काम कर रहे हैं, इसका भी डाटा तैयार किया जाना चाहिए।

विश्वविद्यालय से पढ़कर निकले विद्यार्थियों में से कितने सरकारी नौकरी में हैं तथा कितने निजी क्षेत्र में हैं, इसका डाटा तैयार किया जाना चाहिए।

प्रस्तुतिकरण में धन्यवाद ज्ञापन से पहले सभी शिक्षकों की एक ग्रुप फोटो अवश्य लगाई जानी चाहिए।



# आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

जनवरी, 2025 की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

## विभागीय आयोजन

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

- 12-14 जनवरी, 2025 अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार नाथ-योग और आयुर्वेद
- 20-25 जनवरी, 2025 द्वितीय व्यवसायिक सत्र का प्रथम आवधिक परीक्षा सुश्रुत बैच
- 25 जनवरी से 14 फरवरी 2025 द्वितीय व्यावसायिक सत्र का विश्वविद्यालयी लिखित परीक्षा चरक बैच

श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर

- 17 जनवरी, 2025 अतिथि व्याख्यान

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

- 01 जनवरी, 2025 सम सेमेस्टर कक्षाएं प्रारम्भ
- 18 जनवरी, 2025 अतिथि व्याख्यान

कृषि संकाय

- 21 जनवरी, 2025 अतिथि व्याख्यान
- 26 जनवरी, 2025 गणतंत्र दिवस समारोह

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

- 18 जनवरी, 2025 राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस
- 26 जनवरी, 2025 गणतंत्र दिवस समारोह

फॉर्मसी संकाय

- 06 जनवरी, 2025 बी फार्म सम सेमेस्टर कक्षाएं प्रारम्भ
- 11 जनवरी, 2025 अतिथि व्याख्यान : युवा दिवस

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

- 26 जनवरी, 2025 गणतंत्र दिवस आयोजन
- 30 जनवरी, 2025 विश्व कुष्ठ उन्मूलन दिवस





### समाचार दर्पण

#### विश्व एड्स दिवस पर गोरक्षनाथ चिकित्सालय में चलाया जागरूकता अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक ने द्वाग चलाया गया अभियान

**गोरखपुर में**  
गोरखपुर। महयोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की गयी इकाई के जी एन एम प्रथम वर्ष के एयरोबिकसाओ ने कार्यक्रम अतिथि सुश्री कविता खन्ना के नेतृत्व में गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय में विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम कायम गये, जिनमें छात्रों ने नुकड़ नोट, पोस्टर प्रेजेंटेशन तथा राफ्ट प्रदर्शन के माध्यम से जागरूक किया। छात्रों ने बताया कि एड्स क्या है इसकी घटना दर एवं जोखिम कारक क्या है 'तथा एड्स फैलने के तरीके के बारे में बताया कि यह कैसे फैलता है इसके साथ सक्षम अन्न विषय एड्स दिवस पर क्या सभी एड्स से भात को मुक्त करने के लिए सभी को साव्य दिताय कि हम एड्स



कुमारी अनुपम त्रिपाठी, रिनु भारती, रूपा पांडेय, सोमनाथ, चयुषिनी मौर्या, सोमल, कुमकुम कुमारी, मनिषा मौर्या, माया प्रजापति, नंदनी कुमारी, नेहा अग्रवाल, निवारिका, रंजना चौधरी, एहसान खान्ना, संस्कृति सिंह उपस्थित रहे।

#### राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक ने विश्व एड्स दिवस पर गोरक्षनाथ चिकित्सालय में चलाया जागरूकता अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक ने द्वाग चलाया गया अभियान

**गोरखपुर।** महयोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की गयी इकाई के जी एन एम प्रथम वर्ष के स्वयंसेवकों ने गोरखनाथ चिकित्सालय में विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम कायम किया गया जिसमें छात्रों ने नुकड़ नोट, पोस्टर प्रेजेंटेशन तथा राफ्ट प्रदर्शन के माध्यम से जागरूक किया। छात्रों ने बताया कि एड्स क्या है इसकी घटना दर एवं जोखिम कारक क्या है 'तथा एड्स फैलने के तरीके के बारे में बताया कि यह कैसे फैलता है इसके साथ सक्षम अन्न विषय एड्स दिवस पर क्या सभी एड्स से भात को मुक्त करने के लिए सभी को साव्य दिताय कि हम एड्स और एड्सवैदी संक्रमण को रोकने के लिए जागरूक रहेंगे और दूसरों को भी जागरूक करेंगे एड्स के जोखिम के साथ



कुमारी अनुपम त्रिपाठी, रिनु भारती, रूपा पांडेय, सोमनाथ, चयुषिनी मौर्या, सोमल, कुमकुम कुमारी, मनिषा मौर्या, माया प्रजापति, नंदनी कुमारी, नेहा अग्रवाल, निवारिका, रंजना चौधरी, एहसान खान्ना, संस्कृति सिंह उपस्थित रहे।

## प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में निरंतर आगे बढ़ रहा भारत

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि आज भारत निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुझबूझ और अदम्य साहस, कठोर परिश्रम के कारण भारत की ख्याति दुनिया के मानचित्र पर तेजी के साथ स्थापित हो रही है। पीएम मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें हम सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। तकनीक हमसे संचालित हो, हम तकनीक से नहीं। समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों को वर्तमान दौर में तकनीक के प्रयोग की अपरिहार्यता से भी अवगत कराया। साथ ही नसीहत



समारोह को संबोधित करते नरेंद्र तोमर दी कि तकनीक का इस्तेमाल जीवन को सरल और सहज बनाने के लिए जरूरी है लेकिन वह ध्यान भी रखना होगा कि तकनीक हमसे संचालित हो, हम तकनीक से नहीं। हम खुद को तकनीक के अनुरूप और तकनीक को अपने अनुरूप तैयार करें।

## नये भारतके प्रति तेजीसे बढ़ा है पूरी दुनियाका विश्वास-योगी

जो खुद खड़ा नहीं हो सकता वह दूसरोंको प्रेरणा नहीं दे सकता

गोरखपुर (आससे)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व

असमंजस की स्थिति थी कि उसको दिशा क्या होगी, उसे क्या करना है। पर, आज का नया भारत दुनिया के ध्वजीकरण को दिशा तय करता है।



में नए भारत के प्रति पूरी दुनिया का विश्वास तेजी से बढ़ा है। एक समय था जब भारत दुनिया के किसी भी राष्ट्र में नहीं था। देश के सामने

सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम को अध्यक्षता कर रहे थे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज परिसर में समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और विशिष्ट अतिथि

**महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री का संबोधन**

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया उसी का अनुसरण करती है जो खुद को उसके अनुरूप तैयार करने का माहा रखता है। जो स्वयं खड़ा नहीं हो सकता, वह दूसरों को खड़ा होने को प्रेरणा कैसे दे सकता है। पीएम (शेघ पृष्ठ ९ पर)



## अपनी जिम्मेदारियों को समझें और खुद को तैयार करें: योगी

प्रधानमंत्री मोदी निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। हम सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। तकनीक हमसे संचालित हो, हम तकनीक से नहीं। समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों को वर्तमान दौर में तकनीक के प्रयोग की अपरिहार्यता से भी अवगत कराया। साथ ही नसीहत

**उपस्थितियोगी**  
उपस्थितियोगी ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत दुनिया के ध्वजीकरण को दिशा तय करता है।

## भव्य शोभायात्रा के साथ एमपी शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह का शुभारंभ

**गोरखपुर (शुभारंभ)।** महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह का शुभारंभ गुरुवार को हुआ। इस अवसर पर शिक्षा परिषद के मुख्य अतिथि नरेंद्र सिंह तोमर ने संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुझबूझ और अदम्य साहस, कठोर परिश्रम के कारण भारत की ख्याति दुनिया के मानचित्र पर तेजी के साथ स्थापित हो रही है। पीएम मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें हम सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। तकनीक हमसे संचालित हो, हम तकनीक से नहीं। समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों को वर्तमान दौर में तकनीक के प्रयोग की अपरिहार्यता से भी अवगत कराया। साथ ही नसीहत



मुख्य अतिथि नरेंद्र सिंह तोमर ने संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुझबूझ और अदम्य साहस, कठोर परिश्रम के कारण भारत की ख्याति दुनिया के मानचित्र पर तेजी के साथ स्थापित हो रही है। पीएम मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें हम सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। तकनीक हमसे संचालित हो, हम तकनीक से नहीं। समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों को वर्तमान दौर में तकनीक के प्रयोग की अपरिहार्यता से भी अवगत कराया। साथ ही नसीहत



# आरोग्य पथ

## मासिक ई-पत्रिका

### समाचार दर्पण

## भारत अब तय कर रहा दुनिया के ध्रुवीकरण की दिशा : योगी

### एमपी शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह का उद्घाटन

जामरुण संवाददाता • गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज की दुनिया के वाद अपनी कमजोरी के चलते खुद को निर्गुट घोषित करने वाला भारत आज दुनिया के ध्रुवीकरण की दिशा तय कर रहा है। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में दुनिया का नेतृत्व करने की क्षमता विकसित हो चुकी है। दुनिया भर के देशों का विश्वास भारत पर बढ़ा है। योगी बुधवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।



महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ अवसर पर एमपी इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि देश को आजादी मिलने तब दिशा को लेकर असमंजस की स्थिति थी। नेतृत्वकर्ता यह तय नहीं कर पा रहे थे कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद द्विध्रुवीय विश्व में वह किसके साथ खड़े हों। ऐसे में उन्हें भारत को निर्गुट देश घोषित करना पड़ा। अब स्थिति बदल चुकी है। आज जिस तरफ भारत होता है, उधर ही दुनिया देख रही है। जी-20 का नेतृत्व प्रमाण है। अपनी बात की पुष्टि में उन्होंने कहा कि दुनिया उसी का अनुसरण करती है, जो खुद को उसके अनुरूप तैयार करने का जन्मा रखता है। जो स्वयं खड़ा नहीं हो सकता, वह दूसरों को खड़ा होने की प्रेरणा कैसे दे सकता है। मोदी के नेतृत्व में भारत ने खुद को उसी अनुरूप तैयार किया। इसी का परिणाम है कि आज भारत की दिशा के बिना दुनिया की दिशा की कल्पना नहीं की जा सकती है। दुनिया में मानवता के सामने जो चुनौती है, भारत उससे निपटने के विश्वास का प्रतीक बना है। आज दुनिया का कोई भी बड़ा आवेजन भारत के बिना नहीं होता।

**देश का आगे बढ़ाने का दायित्व सिर्फ सरकार का नहीं**  
योगी ने कहा कि देश को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं होती है। इसके लिए सत्ताधारी और विपक्षीयों को भी आगे आना होता है। अब जिम्मेदारी से बचने का नहीं, बल्कि जिम्मेदारी सम्झने और खुद को उसके अनुरूप तैयार कर का समय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विकसित भारत बनाने के लिए अगले 25 वर्ष का रोडमैप दिया है, इसमें हर नागरिक, हर संस्था की भूमिका होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों के लिए वर्तमान दौर में तकनीक के प्रयोग की अपरिहार्यता बताई। नसीहत भी दी कि तकनीक का इस्तेमाल जीवन को सरल और सहज बनाने के लिए जरूरी है, लेकिन यह ध्यान रखना होगा कि तकनीक हमसे संचालित हो, हम तकनीक से नहीं। हम खुद को तकनीक के अनुरूप और

**अनुशासन पूर्व है संस्थापक सप्ताह समारोह**  
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संस्थापक सप्ताह समारोह को अनुशासन पूर्व बताया। कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थियों से कहा कि सर्वांगीण विकास के लिए अनुशासन अपरिहार्य है। विद्यार्थियों को सफलता हासिल करने का मंत्र देते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा के एकल क्षेत्र में एकपक्षी और कठिन परिश्रम जरूरी है तो समूह में व्यक्तिगत एकपक्षी व कठिन परिश्रम के साथ टीम भावना का होना महत्वपूर्ण है।

तकनीक को अपने अनुरूप तैयार करें। योगी ने कहा कि हर कालखंड में भारत ने पूरी दुनिया में अपनी प्रतिष्ठा का लोहा मनवाया है। विश्व के सौ प्रतिशत संस्थानों में प्रमुख एकेडमिक विद्यार्थियों की बात करें तो इसमें सबसे बड़ी संख्या भारतीय निवासी नहीं है।

संवाददाता • जामरुण सिटी 1, IV

## देश के लिए प्रेरणास्रोत है महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद : तोमर

परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ पर बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर



मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए राजीव कुमार

मिथ्या माने की, स्वस्थ क्षेत्र को राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने बुद्धत, गैरबी-उत्पन्न व फिर की। उस प्रस्ताव में योगी सरकार

ने हर दिशा में सफलतापूर्वक कदम बढ़ाए हैं। श्री तोमर बुधवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने वह बड़े भूमिकाओं में मिलते रहे हैं। गौरवपूर्ण शिवालय के रूप में वह भौतिकीय का गर्व दिखते हैं तो उसी के समानांतर राजनीति के रूप में कार्ययोजना का भी रास्ता बताते हैं।

उन्होंने गौरवशाली के प्रकृत महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वास्तु लोका उद्घाटन के उद्देश्य करते हुए कहा कि केंद्र में आकाशिक संस्था, विद्यार्थी व महत्त्वपूर्ण-भक्ति योग की प्रेरणा देती है। पर, गौरवशाली एक ही लक्ष्य है जो भौतिकीय के साथ कार्ययोजना में रात होकर, दूसरी इच्छा देकर गतिशील के जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है। इस परिषद में गौरवशाली और इनकी संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद समूह देता के लिए

प्रेरणास्रोत है। श्री तोमर ने महान गौरवशाली को उद्घाटन पर अग्रिम का अभिनवा देने के लिए खुद को सौभाग्यवानी बताया। उन्होंने गौरवशाली के प्रकृत महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वास्तु लोका उद्घाटन के उद्देश्य करते हुए कहा कि केंद्र में आकाशिक संस्था, विद्यार्थी व महत्त्वपूर्ण-भक्ति योग की प्रेरणा देती है। पर, गौरवशाली एक ही लक्ष्य है जो भौतिकीय के साथ कार्ययोजना में रात होकर, दूसरी इच्छा देकर गतिशील के जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है। इस परिषद में गौरवशाली और इनकी संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद समूह देता के लिए

## यूपी के वैभव को पुनर्स्थापित कर रहे योगी : नरेंद्र सिंह

गोरखपुर : महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि उत्तर प्रदेश का इतिहास वैभवशाली रहा है, लेकिन एक समय वह भी आ गया था कि यहां आने से लोग कतराने लगे थे। कन्नू व्यवस्था जर्जर हो गई थी, अपराध काफी बढ़ गया था। जब योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री के रूप में कमान संभाली तो प्रदेश का प्राचीन वैभव पुनर्स्थापित होने लगा है। कन्नू व्यवस्था की बात हो, निवेश लाने की, स्वास्थ्य क्षेत्र की सुदृढ़ता, गोवी उन्मूलन या फिर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने की, उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने हर दिशा में सफलतापूर्वक कदम बढ़ाए हैं। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ उनसे कई भूमिकाओं में मिलते रहे हैं। गौरवशाली शिवालय के रूप में वह



संस्थापक सप्ताह समारोह को संबोधित करते नरेंद्र सिंह तोमर • श्री गोरखनाथ मंदिर

**'एनईपी से वैश्विक सीमा के दायरे से बाहर निकली शिक्षा'**  
संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ए3आईटीई) के सदस्य सचिव प्र. राजीव कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) से शिक्षा को वैश्विक सीमा के दायरे से बाहर किया है। एनईपी ने शिक्षा और रोजगार को एक बड़ा धाक क्षेत्र दिया

है। इस शिक्षा नीति से विद्यार्थी अपनी डिग्री को अपने मूलभूत ढल सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने अपनी मरुभाषी शिक्षा की सुविधा दी है। तकनीकी शिक्षा आज 12 भारतीय भाषाओं में प्रथम की जा सकती है। यह शिक्षा नीति युवाओं को आज की आवश्यकताओं के अनुरूप नवभार उन्मुख होने के लिए प्रेरित करती है।

भक्तियोग का मार्ग दिखाते हैं, तो उसी के समानांतर राजनेता के रूप में कर्मयोग का भी रास्ता बताते हैं। गौरवशाली शिवालय के रूप में उनकी अपनी को सभाना है, वह प्रेरणादायी है ही, कर्मयोग के मार्ग पर चलते हुए एक राजनेता, सांसद व मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने जो काम किया है, उनकी जितनी प्रशंसा की जाए कम ही। अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि कोई

संस्था शिक्षा के क्षेत्र में काम करती है, तो कोई तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में। आज जब महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की आती है तो हमारा ध्यान सर्वांगीण विकास और लोक कल्याण के मार्ग वैभव को समा गेजिन की तरफ जाता है। इस परिषद द्वारा 50 से अधिक संस्थाओं का संचालन अद्वितीय उदाहरण है। तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सूझबूझ, अदम्य सहस्र, कठोर परिश्रम के

कारण आज भारत दुनिया के मानचित्र पर तेजी के साथ स्थिति हुआ है। एक कालखंड था जब भारत को वैश्विक मंच पर बहुत तजय्यो नही मिलती थी, लेकिन आज कोई भी वैश्विक मंच पर दुनिया में नहीं है, जिसका एजेंडा भारत की अनेकता करने का साहस कर सके। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने 2017 तक भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है।

## नया भारत तय करता है दुनिया के ध्रुवीकरण की दिशा : सीएम

गोरखपुर (एएसपीबी) : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देखा रही है। एनईपी नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब भारत के प्रति पूरी दुनिया का विश्वास बढ़ा है। एक समय का जब भारत दुनिया के निर्गुट देश घोषित करने वाला था, आज यह दुनिया का नेतृत्व करने वाला देश बन चुका है। मोदी के नेतृत्व में भारत ने खुद को उसके अनुरूप तैयार करने का जन्मा रखता है। जो स्वयं खड़ा नहीं हो सकता, वह दूसरों को खड़ा होने की प्रेरणा कैसे दे सकता है। मोदी के नेतृत्व में भारत ने खुद को उसके अनुरूप तैयार किया। इसी का परिणाम है कि आज भारत की दिशा के बिना दुनिया की दिशा की कल्पना नहीं की जा सकती है। दुनिया में मानवता के सामने जो चुनौती है, भारत उससे निपटने के विश्वास का प्रतीक बना है। आज दुनिया का कोई भी बड़ा आवेजन भारत के बिना नहीं होता।



मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए राजीव कुमार

देश का आगे बढ़ाने का दायित्व सिर्फ सरकार का नहीं  
योगी ने कहा कि देश को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं होती है। इसके लिए सत्ताधारी और विपक्षीयों को भी आगे आना होता है। अब जिम्मेदारी से बचने का नहीं, बल्कि जिम्मेदारी सम्झने और खुद को उसके अनुरूप तैयार कर का समय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विकसित भारत बनाने के लिए अगले 25 वर्ष का रोडमैप दिया है, इसमें हर नागरिक, हर संस्था की भूमिका होनी चाहिए।

अनुशासन पूर्व है संस्थापक सप्ताह समारोह  
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संस्थापक सप्ताह समारोह को अनुशासन पूर्व बताया। कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थियों से कहा कि सर्वांगीण विकास के लिए अनुशासन अपरिहार्य है। विद्यार्थियों को सफलता हासिल करने का मंत्र देते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा के एकल क्षेत्र में एकपक्षी और कठिन परिश्रम जरूरी है तो समूह में व्यक्तिगत एकपक्षी व कठिन परिश्रम के साथ टीम भावना का होना महत्वपूर्ण है।

## अनुशासन व समन्वय की दिखी बेजोड़ झलक

**शोभायात्रा**  
गोरखपुर, बरिष्ठ संवाददाता। मध्य प्रदेश शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह की भव्य शोभायात्रा बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ और मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की मौजूदगी में निकली। शिखरध्वनियों के साथ शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। भारत माता के जयकारे के बीच शोभायात्रा में अनुशासन व समन्वय की बेजोड़ झलक दिखी।

15 हजार विद्यार्थियों और शिक्षकों की मौजूदगी में निकली भव्य शोभायात्रा

20 झांकियों निकाली गई थी विभिन्न विद्यालयों और संस्थाओं के द्वारा



संस्थापक समारोह के मौके पर निकली गई शोभायात्रा में दिखा अनुशासन।

करीब 15 हजार विद्यार्थियों और शिक्षकों की मौजूदगी में निकली शोभायात्रा में समाजिक सुरीतियों पर प्रहार और विकसित भारत का संदेश देने वाली आकर्षक झांकियों ने सभी अतिथियों का दिल जीता। मुख्य अतिथि से औपचारिक अनुमति मिलने के बाद शोभायात्रा का शंखनाद हुआ।

**अखंड ज्योति से शुरू हुआ झांकियों का सिलसिला**  
समाचारिक विचारों और नागर्य की विशेषताओं पर झांकियां शोभा यात्रा का आकर्षण रही। अखंड ज्योति से झांकियों की प्रस्तुति का सिलसिला शुरू हुआ। विभिन्न विद्यालयों और संस्थाओं द्वारा निकाली गई 20 झांकियां आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा में राम मंदिर, नयुवा का मंदिर, छठ पर्व, सतों की झांकी, नौ सेना की सुरक्षा, पर्यटन प्रदूषण, आंतरिक तकरार, स्वास्थ्य जागरूकता, डिजिटल जैडवा, कोराल विकास आदि की विभिन्न झांकियों आकर्षण का केंद्र रही।







### समाचार दर्पण

## Students of Mahayogi Gorakhnath University participated in the national camp

**JEEVAN EXPRESS BUREAU**

GORAKHPUR: Tanisha Varshney and Aditya, volunteers of the Ashtavakra unit of the National Service Scheme operating in the Ayurveda College of Mahayogi Gorakhnath University, participated in the National Integration Camp organized by the NSS Regional Directorate at MJP Rohilkhand University Bareilly till December 11.

After returning from the camp, on Saturday, University Vice Chancellor Dr. Surinder Singh, Registrar

Dr. Pradeep Kumar Rao and National Service Scheme Coordinator in the University Dr. Akhilesh Dubey encouraged them. Program Officer Acharya Sadhvi Nandan Pandey said that the students participated in seminars, cultural programs, intellectual sessions, folk songs, rangoli, speeches, folk dances, debates, conversations etc. on topics like Namami Gange, Youth for My India, Digital Literacy etc. in the camp.

## राष्ट्रीय शिविर में शामिल हुए महायोगी गोरखनाथ विवि के विद्यार्थी

विशेष संवाददाता

गोरखपुर, 14 दिसंबर | महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के



गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई के स्वयंसेवक तनीषा वार्षणेय

और आदित्य ने एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली में राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय द्वारा 11 दिसंबर तक आयोजित राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में प्रतिभाग किया। शिविर से वापस लौटने के बाद शनिवार को विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव और विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश दूबे ने उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने बताया कि विद्यार्थियों ने शिविर में नमामि गंगे, माई भारत के लिए युवा, डिजिटल साक्षरता आदि विषयों पर सेमिनार, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बौद्धिक सत्र, लोक गीत, रंगोली, भाषण, लोकनृत्य, वाद-विवाद, संभाषण आदि प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया।

## राष्ट्रीय शिविर में शामिल हुए महायोगी गोरखनाथ विवि के विद्यार्थी

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 14 दिसंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई के स्वयंसेवक तनीषा वार्षणेय और आदित्य ने एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली में राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय द्वारा 11 दिसंबर तक आयोजित राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में प्रतिभाग किया। शिविर से वापस लौटने के बाद शनिवार को विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव और



विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश दूबे ने उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने बताया कि विद्यार्थियों ने शिविर में नमामि गंगे, माई

भारत के लिए युवा, डिजिटल साक्षरता आदि विषयों पर सेमिनार, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बौद्धिक सत्र, लोक गीत, रंगोली, भाषण, लोकनृत्य, वाद-विवाद, संभाषण आदि प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया।

## राष्ट्रीय शिविर में शामिल हुए गोरखनाथ विवि के छात्र

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई के स्वयंसेवक तनीषा वार्षणेय और आदित्य ने एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली में राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय द्वारा 11 दिसंबर तक आयोजित राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में प्रतिभाग किया।

शिविर से वापस लौटने के बाद शनिवार को विश्वविद्यालय कुलपति डा. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव और विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डा. अखिलेश दूबे ने उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने बताया कि छात्रों ने शिविर में नमामि गंगे, माई भारत के लिए युवा, डिजिटल साक्षरता आदि विषयों पर सेमिनार, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बौद्धिक सत्र, लोक गीत, रंगोली, भाषण, लोकनृत्य, वाद-विवाद, संभाषण आदि प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया।









### समाचार दर्पण

#### स्वावलंबन समाज और देश के लिए जरूरी



स्वावलंबन अभियान के तहत स्वयं सेविकाओं का बढ़ाया गया उत्साह। अमृत विचार

गोरखपुर, अमृत विचार : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की अनुसूच्य इकाई की स्वयं सेविकाओं ने स्वावलंबन अभियान शुरू किया है। इसके तहत काम का लिफाफा बनाने का काम शुरू कर विधि में संवालिता गुरु गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज) के फार्मसी में उपयोग के लिए 400 लिफाफा कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह को दिया गया। इस मौके पर यौसी ने स्वयं सेविकाओं के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि स्वावलंबन किसी भी व्यक्ति, समाज और देश के विकास के लिए जरूरी है। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने भी स्वयं सेविकाओं का उत्साह बढ़ाया। कहा इस कार्य से परिसर को पौलोथिन मुक्त बनाने में भी मदद मिलेगी। इस अवसर पर डॉ. डीएस अजीमा, अखिलेश कुमार दूबे, सुमन यादव, बबली शर्मा, अदिति पांडेय, अदिति यादव, आकांक्षा, अलका सिंह, अंबालिका प्रजापति, अंबालिका यादव, अनामिका निषाद, अंजली यादव, अश्विनी यादव उपस्थित रही।

#### देश के विकास के लिए स्वावलंबन आवश्यक

गोरखपुर: महयोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि स्वावलंबन किसी भी व्यक्ति, समाज और देश के विकास के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है। इस दिशा में स्वयंसेविकाओं द्वारा किया गया प्रयास सराहनीय है। वह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की अनुसूच्य इकाई को स्वयंसेविकाओं द्वारा शुरू किए स्वावलंबन अभियान को संवाहित कर रहे थे।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने भी स्वयंसेविकाओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि विश्वविद्यालय यह लिफाफा पूर्व में जिन दानों पर अन्य फर्म से खरीदा करता था अब वह अपने राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई से लिया जाएगा और यही निर्वाह शुल्क इकाई के स्वयंसेविकाओं को दिया जाएगा। इस कार्य से फार्म को धार्मिक मुक्त बनाने में भी मदद मिलेगी।

अभियान के तहत काम का लिफाफा बनाने का कार्य प्रोफ. डॉ. स्वयंसेविकाओं ने विश्वविद्यालय में

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की अनुसूच्य इकाई द्वारा शुरू किए स्वावलंबन अभियान के संवाहित कर रहे थे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की अनुसूच्य इकाई द्वारा शुरू किए स्वावलंबन अभियान के संवाहित कर रहे थे।

#### दो साल से नहीं जुड़ी थी हड्डी, रॉड निकाल किया सफल ऑपरेशन

दो साल से नहीं जुड़ी थी हड्डी, रॉड निकाल किया सफल ऑपरेशन

गोरखपुर: महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत स्वावलंबन गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने एक और जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। एक मरीज को दो साल से टूटी हड्डी को जोड़कर डॉक्टरों की टीम ने उसे दर्द से निजात दिलाया।

आयुष्मान कार्डधारी होने के कारण मरीज का रुग्ण भी नहीं खर्च हुआ।

नायबुद्दीन के रॉड प्रसाद सिंह के हाथ की हड्डी दो साल पहले टूट गई थी। तब रॉड ने गुजरात में ऑपरेशन मंत्रणा था।

उस समय डॉक्टरों ने



गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज में मरीज का ऑपरेशन करते चिकित्सकगण।

#### टूट गया था हाथ में पड़ा राड आपरेशन से डाक्टरों ने निकाला



गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज में ऑपरेशन करते डाक्टर।

गोरखपुर : श्रीगोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज) के डॉक्टरों ने जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। एक मरीज को दो साल से टूटी हाथ की हड्डी को जोड़कर डॉक्टरों की टीम ने उसे दर्द से निजात दिलाया।

महाराजगंज के रविंद्र प्रसाद सिंह के हाथ की हड्डी दो साल पहले टूट गई थी। तब रॉड ने गुजरात में ऑपरेशन कराया था। डॉक्टरों ने ऑपरेशन के समय राड डाला था

#### दो साल से नहीं जुड़ी थी हड्डी, रॉड निकाल किया सफल ऑपरेशन

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत संचालित श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर (गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज) के डॉक्टरों ने एक और जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। एक मरीज को दो साल से टूटी हाथ की हड्डी को जोड़कर डॉक्टरों की टीम ने उसे दर्द से निजात दिलाकर चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी है। आयुष्मान कार्डधारी होने के कारण मरीज का रुग्ण भी नहीं खर्च हुआ। महाराजगंज के रविंद्र प्रसाद सिंह के हाथ की हड्डी दो साल पहले टूट गई थी। तब रॉड ने गुजरात में ऑपरेशन कराया था। उस समय डॉक्टरों ने ऑपरेशन के समय रॉड डाला था लेकिन दो साल बीत जाने पर भी हड्डी नहीं जुड़ पाई थी। रविंद्र के हाथ में बिलकूल बल नहीं रह गया था। उन्होंने गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर को दिखाया तो जांच में पता चला कि हड्डी के ऑपरेशन के दौरान डाला गया रॉड अंदर ही टूट गया है। गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज में डॉ. रोहित ऐलानी की टीम ने रॉड प्रसाद सिंह के हाथ की हड्डी को जोड़ दिया। इस सफल ऑपरेशन में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. नेहा पंवार, ओटी अस्सिस्टेंट राजेश तिवारी, दीपक, अरविंद, शुभ शर्मिल रहे। विज्ञान।



मेडिकल कॉलेज में अर्थोपेडिक सर्जन डॉ. रोहित ऐलानी की टीम ने रविंद्र प्रसाद सिंह के हाथ की जटिल सर्जरी की और टूटा रॉड निकालकर, प्लेट से हड्डी को सफलतापूर्वक जोड़ दिया। इस सफल ऑपरेशन में

#### दो साल से नहीं जुड़ी थी हड्डी, रॉड निकाल किया सफल ऑपरेशन

गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज में मरीज को मिली दर्द से निजात

दो साल पूर्व गुजरात में हुआ था पहला ऑपरेशन, तब डाला गया रॉड अंदर ही टूटा मिला

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत संचालित श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर (गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज) के डॉक्टरों ने एक और जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। एक मरीज को दो साल से टूटी हाथ की हड्डी को जोड़कर डॉक्टरों की टीम ने उसे दर्द से निजात दिलाकर चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी है। आयुष्मान कार्डधारी होने के कारण मरीज का रुग्ण भी नहीं खर्च हुआ।

महाराजगंज के रविंद्र प्रसाद सिंह के हाथ की हड्डी दो साल पहले टूट गई थी। तब रॉड ने गुजरात में ऑपरेशन कराया था। डॉक्टरों ने ऑपरेशन के समय राड डाला था

#### दो साल से नहीं जुड़ी थी हड्डी, रॉड निकाल किया सफल ऑपरेशन

गोरखपुर (स्पृष्ट अद्यतन)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत संचालित श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर (गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज) के डॉक्टरों ने एक और जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। एक मरीज को दो साल से टूटी हाथ की हड्डी को जोड़कर डॉक्टरों की टीम ने उसे दर्द से निजात दिलाकर चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी है। आयुष्मान कार्डधारी होने के कारण मरीज का रुग्ण भी नहीं खर्च हुआ। महाराजगंज के रविंद्र प्रसाद सिंह के हाथ की हड्डी दो साल पहले टूट गई थी। तब रॉड ने गुजरात में ऑपरेशन कराया था। उस समय डॉक्टरों ने ऑपरेशन के समय राड डाला था

#### दो साल से नहीं जुड़ी थी हड्डी, रॉड निकाल किया सफल ऑपरेशन

रॉड डाला था लेकिन दो साल बीत जाने पर भी हड्डी नहीं जुड़ पाई थी। रविंद्र के हाथ में बिलकूल बल नहीं रह गया था। उन्होंने गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर को दिखाया तो जांच में पता चला कि हड्डी के ऑपरेशन के दौरान डाला गया रॉड अंदर ही टूट गया है। गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज में अर्थोपेडिक सर्जन डॉ. रोहित ऐलानी की टीम ने रविंद्र प्रसाद सिंह के हाथ की जटिल सर्जरी की और टूटा रॉड निकालकर, प्लेट से हड्डी को सफलतापूर्वक जोड़ दिया। इस सफल ऑपरेशन में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. नेहा पंवार, ओटी अस्सिस्टेंट राजेश तिवारी, दीपक, अरविंद, शुभ की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।



### समाचार दर्पण

### संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में रोजगार के अपार अवसर : डॉ. अंकिता

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में विशेष कार्यक्रम का हुआ आयोजन

राज्य सेवा संरक्षण, महयोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में शिवाजी फेज-5 के अंतर्गत अनेक संकाय विभाग के क्षेत्र में नर्सियों के लिए रोजगार के अपार अवसर का प्रस्ताव किया गया।



छात्र/छात्राओं को सम्बोधित करती डा. अंकिता मिश्रा।

### कृषि विज्ञान के छात्रों ने किसानों को किया जागरूक

छात्रों ने बीस गर्मी किसानों को लिया गेद, उन्हें उपलब्ध कराने में नि:शुल्क जानकारी एवं कृषि उपकरण

राज्य सेवा संरक्षण, महयोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय में आयोजित कार्यक्रम में अंकिता डॉ. विनय कुमार शर्मा के नेतृत्व में कृषि विज्ञान के छात्रों ने बीस गर्मी किसानों को लिया गेद, उन्हें उपलब्ध कराने में नि:शुल्क जानकारी एवं कृषि उपकरण



कृषि विज्ञान के छात्रों ने बीस गर्मी किसानों को लिया गेद, उन्हें उपलब्ध कराने में नि:शुल्क जानकारी एवं कृषि उपकरण

### महायोगी गोरखनाथ विवि की जीएनएम छात्राओं ने आयोजित किया पोषण कार्यक्रम

संवाददाता गोरखपुर, 28 दिसंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में जीएनएम प्रथम वर्ष में अधियुग्मरत छात्राओं ने पंच युग में पोषण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में छात्राओं ने विभिन्न आहार पर आधारित जैसे लो फेट डाइट, मधुमेह आहार, लौह समृद्ध आहार, विटामिन ए समृद्ध विभिन्न खाद्य पदार्थ तैयार किए और इनके लाभों के बारे में बताया।



इस अवसर पर छात्राओं द्वारा तैयार खाद्य पदार्थों का अवलोकन करते हुए कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि आपका यह व्यावहारिक ज्ञान आगे रोगियों की सेवा में बहुत काम आएगा। अपने स्वास्थ्य के अनुसार आहार की जानकारी सबके लिए आवश्यक है। सही आहार से व्यक्ति बीमारियों की चपेट में आने से बच सकता है। उन्होंने सभी छात्राओं के प्रयास की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम में नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. डीएस अजीथा, वाइस प्रिंसिपल प्रिंसी जॉर्ज, पोषण प्रभारी शिक्षिकाओं साक्षी प्रजापति, निधि पासवान, ज्योति वर्मा, अमया प्रजापति, गरिमा चौधरी आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

### सेवा व रोजगार के समन्वय का क्षेत्र है नर्सिंग : प्राची यादव

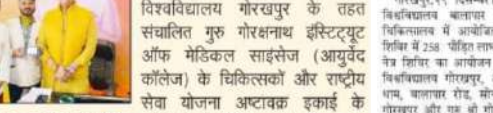
महायोगी गोरखनाथ विवि में नर्सिंग में सेवा और रोजगार के विभिन्न अवसर विषय पर व्याख्यान का आयोजन



राज्य सेवा संरक्षण, महयोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के नर्सिंग एंड पैरामेडिकल संकाय में शिवाजी फेज-5 के अंतर्गत नर्सिंग विभाग में सेवा और रोजगार के विभिन्न अवसर विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

### सांसद रविकिशन ने कराया अपना प्रकृति परीक्षण

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के तहत संचालित गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के चिकित्सकों और राष्ट्रीय सेवा योजना अर्थात् इकाई के स्वयंसेवक बीएमएस विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग के आह्वान पर अद्भुत वर्ष से ऊपर सभी नागरिकों को आयुर्वेद से जोड़ने के लिए प्रकृति परीक्षण अभियान चलाया। इस अभियान में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखनाथ मंदिर कामलेख, जल निगम नौका विहार, गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज चिकित्सालय में निशुल्क शिविर लगाकर नागरिकों का प्रकृति परीक्षण कर आनालान प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल ने भी आयुर्वेद कॉलेज के अभियान को प्रोत्साहित करते हुए अपना प्रकृति परीक्षण कराया। सांसद ने आयुर्वेद को भारत की तरफ से पूरी दुनिया के लिए अनमोल उपहार बताने और आयुर्वेद को बाहर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों की सराहना की।



सांसद रविकिशन ने कराया अपना प्रकृति परीक्षण

### महायोगी गोरखनाथ विवि की जीएनएम छात्राओं ने आयोजित किया पोषण कार्यक्रम

गोरखपुर, 28 दिसंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के नर्सिंग एंड पैरामेडिकल संकाय में शिवाजी फेज-5 के अंतर्गत नर्सिंग विभाग में पोषण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा तैयार खाद्य पदार्थों का अवलोकन करते हुए कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि आपका यह व्यावहारिक ज्ञान आगे रोगियों की सेवा में बहुत काम आएगा। अपने स्वास्थ्य के अनुसार आहार की जानकारी सबके लिए आवश्यक है। सही आहार से व्यक्ति बीमारियों की चपेट में आने से बच सकता है। उन्होंने सभी छात्राओं के प्रयास की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम में नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. डीएस अजीथा, वाइस प्रिंसिपल प्रिंसी जॉर्ज, पोषण प्रभारी शिक्षिकाओं साक्षी प्रजापति, निधि पासवान, ज्योति वर्मा, अमया प्रजापति, गरिमा चौधरी आदि की सक्रिय सहभागिता रही।



महायोगी गोरखनाथ विवि की जीएनएम छात्राओं ने आयोजित किया पोषण कार्यक्रम

### महायोगी गोरखनाथ विवि में 'लैंगिक समानता और शिक्षा' विषय पर व्याख्यान का आयोजन

हर क्षेत्र में परचम फहरा रही हैं महिलाएं : डॉ. शाश्वती

प्रहरी संवाददाता गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय में मिशन शांति फेज-5 के तहत सोमवार को 'लैंगिक समानता और शिक्षा' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता कृषि संकाय की सहायक आचार्य डॉ. शाश्वती प्रेमकुमारी ने कहा कि शिक्षा व जागरूकता के माध्यम से महिलाएं आज सामाजिक बेड़ियों को तोड़ते हुए जीवन के हर क्षेत्र में अपना परचम फहरा रही हैं। डॉ. शाश्वती ने कहा कि वैदिक काल में स्त्री व पुरुष को समाज में एक समान अधिकार प्राप्त था। पुरुषों के समान महिलाएं भी शस्त्र उज्ज्वल विधा में निपुण थीं। कालांतर में स्थिति में परिवर्तन हुआ व समाज पुरुष प्रधान हो गया लेकिन अब पुनः समाज में महिलाओं की प्रतिष्ठा स्थापित हो रही है। आज महिलाएं समाजिक, आर्थिक व राजनैतिक रूप से सशक्त हैं और प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषों के समान कार्य कर रही हैं। डॉ. शाश्वती ने कहा कि लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए सरकार कई योजनाओं को संचालित कर रही है, जैसे बेंटी बचाओ बेंटी पढ़ाओ, उज्ज्वला, सुकन्या समृद्ध योजना, मातृ वंदना योजना। व्याख्यान के दौरान कृषि संकाय के सभी विद्यार्थियों की सहभागिता रही।



महायोगी गोरखनाथ विवि में 'लैंगिक समानता और शिक्षा' विषय पर व्याख्यान का आयोजन

### निःशुल्क नेत्र शिविर में 258 मरीज लाभान्वित

गोरखपुर, 29 दिसंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के दिव्यजयनाथ चिकित्सालय में आयोजित निःशुल्क नेत्र शिविर में 258 मरीज लाभान्वित हुए। निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर, आरोग्य धाम, बालाराम रोड, सोनभरना, गोरखपुर और गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय, गोरखनाथ मंदिर परिसर, गोरखपुर द्वारा किया गया। शिविर का उद्घाटन काडिंबक सर्जन और पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. भावातोष विश्वास और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, प्रदीप कुमार राव, गोरखनाथ चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. हिमांशु दीक्षित और नर्सिंग प्रभार्य डॉ. डी.एस. अजीथा ने किया।



निःशुल्क नेत्र शिविर में 258 मरीज लाभान्वित

### गोरखनाथविवि में 258 नेत्र रोगियों का निशुल्क इलाज

नेत्र परीक्षण

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय बालाराम के दिव्यजयनाथ चिकित्सालय में रविवार को निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित हुआ। इस शिविर में नेत्ररोग से जूझ रहे 258 मरीजों का इलाज हुआ। शिविर का आयोजन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय द्वारा किया गया। शिविर का उद्घाटन काडिंबक सर्जन और पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. भावातोष विश्वास और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, गोरखनाथ चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. हिमांशु दीक्षित और नर्सिंग प्रभार्य डॉ. डीएस अजीथा ने किया। नेत्र सर्जन डॉ. संतोष तिवारी एवं डॉ. रेनु गुप्ता ने मरीजों को जांच एवं इलाज किया। शिविर के उद्घाटन के बाद अतिथि डॉ. भावातोष विश्वास और कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने गुरु गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के आईसीयू, डायलिसिस, ब्लड यूनिट विभाग, फार्मसी यूनिट के व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि हम सभी का दायित्व है कि मरीजों की सेवा ईश्वरीय सेवा के भाव से करें। इससे यहां आने वाला हर मरीज स्वास्थ्य लाभ लेकर जाए। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने बताया कि लाइव आईसीयू सेवा के लिए मेदांता हॉस्पिटल भी गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज से जुड़ चुका है। इस मेडिकल कॉलेज में क्रिटिकल मरीजों का उपचार प्रारंभ है। साथ ही 24 घंटे सर्जरी इमर्जेंसी भी संचालित है। कुलपति ने बताया कि वीटो कुछ दिनों में वहां जाटिल कैंसर की दो सर्जरी भी सफलतापूर्वक की जा चुकी है। इसके साथ ही यहां 18 बेंटी का डायलिसिस यूनिट भी संचालित है। डॉ. भावातोष विश्वास ने चिकित्सालय की व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि हॉस्पिटल उच्च स्तरीय चिकित्सक उच्चकरण से लैस है। लगातार डॉक्टर मरीजों के लिए उपलब्ध हैं। त्वरित समर्पण भाव से मरीजों की सेवा कर रहे हैं। इसका अच्छा परिणाम देखने को मिल रहा है।



गोरखनाथविवि में 258 नेत्र रोगियों का निशुल्क इलाज

### निर्माणाधीन परिसर



01 निर्माणाधीन क्रीडांगन



02 निर्माणाधीन फार्मसी संकाय



03 निर्माणाधीन प्रेक्षागृह



04 निर्माणाधीन शिक्षक आवास



05 विश्वविद्यालय परिसर का वायवीय दृश्य



# आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका



01 श्री नरेंद्र सिंह तोमर, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष



02 माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज



03 शिविर में माननीय कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, डॉ. भाबातोष विश्वास, डॉ. डी.एस. अजीथा



04 प्रकृति परीक्षण के दौरान सांसद श्री रविकिशन शुक्ल जी के साथ विद्यार्थी



05 स्वावलंबन अभियान में माननीय कुलपति जी को औषधि लिफाफा भेंट करती छात्राएं



06 मीटिंग के दौरान प्राचार्य एवं प्राध्यापकों से चर्चा करते हुए प्रो. अजय सिंह



07 मरीज से स्वास्थ्य की जानकारी लेते माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज



08 मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए प्रो. अजय सिंह

प्रधान सम्पादक  
डॉ. विमल कुमार दूबे

सम्पादक  
आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय

संपादक मण्डल

श्री रोहित श्रीवास्तव, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. कुलदीप सिंह एवं सुश्री स्वेता अल्बर्ट

ग्राफिक्स डिजाइनर: श्री शारदानन्द पाण्डेय

mguniversitygkp@mgug.ac.in

<https://www.mgug.ac.in/>

+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451

Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur